जेष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 147, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 24 जून 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

राकांपा-कांग्रेस से गठबंधन तोड़ने को तैयार: राउत एनसीपी बोली- सोचसमझ कर बयान दें

महाराष्ट्र: अघाड़ी सरकार में फूट

मुंबई/गुवाहाटी: महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सरकार का गिरना अब लगभग तय हो गया है। गुवाहाटी में एकनाथ शिंदे ने 42 शिवसेना और 7 निर्दलीय विधायकों के साथ फोटो जारी कर शक्ति प्रदर्शन किया है। इसके बाद शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा- हम एनसीपी और कांग्रेस से गठबंधन तोड़ने के लिए तैयार हैं। राउत के बयान पर एनसीपी कोटे से मंत्री छगन भुजबल ने कहा- गैरजिम्मेदारी तरीके से बयान दिया गया है। सहयोगी दलो से चर्चा करना जरूरी था। सूत्रों के मुताबिक सरकार गठन और आगे की प्रक्रिया को लेकर महाराष्ट्र भाजपा में भी बैठक शुरू हो गई है। भाजपा ने शिंदे को महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में 8 कैबिनेट रैंक और 5 राज्य मंत्री रैंक का ऑफर दिया है। साथ ही केंद्र में भी 2 मंत्री पद देने की पेशकश की है। इससे पहले बागी नेता एकनाथ शिंदे ने एक चिट्ठी शेयर की है। चिट्ठी संजय शिरसाट ने लिखी है, मगर इसमें सभी विधायकों की भावनाएं बताईं गई है। चिट्ठी में लिखा है- शिवसेना विधायकों के लिए आपका दरवाजा हमेशा बंद रहता था। आप इन विधायकों की सुनते नहीं थे। वहीं शिंदे हमेशा विधायकों की सुनते थे और आगे भी सुनेंगे।

उद्धव को शिंदे खेमे की ओर से लिखी गई चिट्ठी: कल वर्षा बंगले के दरवाजे सचमुच जनता के लिए खोल दिए गए। बंगले पर भीड़ देखकर खुशी हुई। पिछले ढाई साल से शिवसेना विधायक के तौर

पर हमारे लिए ये दरवाजे बंद थे। हमें ऐसे लोग चला रहे थे, जिन्हें लोगों ने नहीं चुना था। ये लोग विधान परिषद और राज्यसभा के माध्यम से आए थे। तथाकथित (चाणक्य लिपिक) बडवे हमें हराने और राज्यसभा और विधान परिषद चुनाव की रणनीति तय करने का काम कर रहे थे। इसका परिणाम सिर्फ महाराष्ट्र ने देखा है। शिवसेना विधायक के रूप में हमें वर्षा बंगले तक सीधी पहुंच नहीं मिली। मुख्यमंत्री मंत्रालय की छठी मंजिल पर सभी से मिलते हैं, लेकिन हमारे लिए कोई जगह ही नहीं थी, क्योंकि आप कभी मंत्रालय ही नहीं गए। कई बार निर्वाचन क्षेत्र के काम, अन्य मुद्दों, व्यक्तिगत समस्याओं के लिए सीएम साहब से मिलने का अनुरोध करने के बाद हमें बुलाया जाता और बंगले के गेट पर घंटों खड़ा रखा जाता। मैंने कई बार सीएम को फोन किया पर फोन रिसीव नहीं होता था। आखिरकार हम ऊब जाते और चले जाते। हमारा सवाल यह है कि अपने ही विधायकों के साथ ऐसा अपमानजनक व्यवहार क्यों? ऐसे विधायकों से इस तरह का व्यवहार जिन्हें तीन-चार लाख मतदाता चुनते हैं?

शिवसेना होगी दो फाड़ : बागी विधायकों की राह पर अब 9 सांसद

मुंबई: उद्धव सरकार में मंत्री एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद अब शिवसेना टूट की कगार पर खड़ी है। जनता के नाम एक भावनात्मक संदेश जारी कर सीएम उद्धव ठाकरे अब अपने सरकारी आवास यानी वर्षा बंगले से अपना सारा सामान लपेटकर मातोश्री पहुंच चुके हैं। इस बीच यह जानकारी सामने आ रही है कि विधायकों की तरह ही शिवसेना के 19 में से करीब 8-9 सांसद भी उद्धव का दामन छोड़ सकते हैं। हालांकि, दलबदल विरोधी कानून की वजह से शिवसेना में रहना उनकी मजबूरी होगी। सीएम उद्धव के करीब रहे एक वरिष्ठ पत्रकार ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि इनमें से ज्यादातर सांसद कोंकण, मराठवाड़ा और उत्तर महाराष्ट्र से हैं। इनमें से वाशिम की शिवसेना सांसद भावना गवली का नाम सबसे प्रमुख बताया जा रहा है। उन्होंने एकनाथ शिंदे के समर्थन में खत लिखकर उद्धव से बागी विधायकों की मांग पर विचार करने और इन नेताओं के खिलाफ कार्रवाई ना करने की अपील की है।

12 घंटे में 7 विधायक एकनाथ के पास पहुंचे

पिछले 12 घंटे में शिवसेना के पांच और दो निर्दलीय विधायक महाराष्ट्र से गुवाहाटी पहुंचे।

इनमें गुलाबराव पाटील, योगेश कदम, सदा सर्वंकर, योगेश पवार और मंगेश कुलांकर शामिल हैं। बाकी दो विधायक मंजुला गावित और चंद्रकांत पाटिल निर्दलीय हैं। सदा, योगेश और मंगेश गुरुवार सुबह गुवाहाटी की रेडिसन ब्लू होटल पहुंचे।

महाराष्ट्र में सियासी बवाल का मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया है। कांग्रेस नेता जय ठाकुर ने कोर्ट से कहा है कि जो विधायक बगावत करे, उसके चुनाव लड़ने पर 5 साल तक रोक लगे। ठाकुर की याचिका कोर्ट में पहले से लंबित है।

हमारे विधायकों का अपहरण किया गया: राउत

मुम्बई: महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी सरकार पर गहराए राजनीतिक संकट के बीच शिवसेना नेता संजय राउत ने गुरुवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर बागी विधायक वापस आते हैं और वे चाहते हैं तो हम महाविकास अघाड़ी से बाहर आने के लिए तैयार हैं। शिवसेना नेता संजय राउत ने आगे कहा कि विधायकों को गुवाहाटी से संवाद नहीं करना चाहिए, वे वापस मुंबई आएं और सीएम से इस सब पर चर्चा करें। हम सभी विधायकों की इच्छा होने पर महाविकास अघाड़ी सरकार से बाहर निकलने पर विचार करने के लिए तैयार हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें यहां आकर सीएम से चर्चा करनी होगी।

गुवाहाटी में मौजूद 21 विधायक हमारे संपर्क में: उन्होंने दावा किया कि गुवाहाटी में मौजूद 21 विधायक हमारे संपर्क में हैं। जब वे वापस लौटेंगे तो वे पार्टी के साथ होंगें। उन्होंने यह भी कहा कि बहुत जल्द सीएम उद्धव ठाकरे वापस वर्षा जाएंगे। इससे पहले बागी नेता एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को सीएम ठाकरे को संबोधित एक पत्र ट्वीट किया था। साथ ही उन्होंने लिखा था कि ये विधायकों की भावना है। इसमें विधायकों ने उन पर कई बड़े आरोप लगाए हैं। फिर चाहे सीएम का अपनी ही पार्टी के विधायकों से मुलाकात न करने का मुद्दा हो या उन्हें अयोध्या जाने से रोकने का। एकनाथ शिंदे की ओर से ट्विटर पर साझा की गई चिट्ठी में ऐसे कई बड़े आरोप हैं। जो चिट्ठी सामने आई है, उसमें शिवसेना विधायकों ने उद्धव पर कांग्रेस और राकांपा के नेताओं को अपने विधायकों पर तरजीह देने की शिकायत भी की है।

पीएम ने किया 'वाणिज्य भवन' और 'निर्यात' पोर्टल' का शुभारंभ

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि नया वाणिज्य भवन और निर्यात पोर्टल आत्मनिर्भर भारत की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि इससे व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आएगा और एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े लोगों को काफी फायदा होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकासशील देश को विकसित राष्ट्र बनाने में निर्यात महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पिछले साल ऐतिहासिक वैश्विक व्यवधान के बावजूद भारत ने 670 बिलियन डॉलर यानि 50 लाख करोड़ रुपए का कुल निर्यात किया। पिछले साल देश ने तय किया था कि हर चुनौती के बावजूद 400 बिलियन डॉलर यानि 30 लाख करोड़ रुपए के व्यापार निर्यात का पड़ाव पार करना है। लेकिन हमने इसको भी पार करते हुए

418 बिलियन डॉलर यानि 31 लाख करोड़ रुपए के निर्यात का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में भारत भी अपना निर्यात लगातार बढ़ा रहा है। निर्यात से जुड़े लक्ष्यों को प्राप्त कर रहा है। निर्यात बढ़ाने के लिए बेहतर नीतियां, प्रक्रिया को आसान करना, उत्पाद को नए बाजार में ले जाना इन सबने इसमें बहुत मदद की है। सरकार ने 32,000 से अधिक अनावश्यक नियमों को खत्म कर व्यापार को सुगम बनाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज सरकार का हर मंत्रालय, हर विभाग, 'पूरी सरकार' अप्रोच के साथ एक्सपोर्ट बढ़ाने को प्राथमिकता दे रहा है। एमएसएमई मंत्रालय हो या फिर विदेश मंत्रालय, कृषि हो या कॉमर्स, सभी एक साझा लक्ष्य के लिए, साझा प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के नए कार्यालय परिसर 'वाणिज्य भवन' और निर्यात पोर्टल का शुभारंभ करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। पोर्टल निर्यात (राष्ट्रीय आयात-निर्यात वार्षिक व्यापार विश्लेषण रिकॉर्ड) भारत के विदेश व्यापार से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के लिए हितधारकों के लिए वन स्टॉप प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है।

अफगानिस्तान में फिर भूकंप के झटके

काठमांडू: अफगानिस्तान सहित कई देशों में भयावह जानलेवा भूकंप के बाद बुधवार रात नेपाल व भूटान में धरती कांपी। नेपाल में 4.3 और भूटान में 3.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गए। गुरुवार सुबह अफगानिस्तान में दोबारा 4.4 और 4.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गए। अफगानिस्तान में मंगलवार रात आया भूकंप भयावह साबित हुआ है। वहां एक हजार से ज्यादा लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, वहीं अपुष्ट सूत्र यह संख्या तीन हजार तक पहुंचने की बात कह रहे हैं। इतना तय है कि सैकड़ों लोग घायल हैं ।

यूएन कुछ धर्मों तक सीमित न रखें भेदभाव के खिलाफ अभियान

न्यूयॉर्क: संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा धार्मिक भेदभाव के खिलाफ चलाए जाने वाले अभियानों को कुछ धर्मों तक सीमित किये जाने के मसले पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की हिंसा को उकसावे से अत्याचार अपराध को बढ़ावा विषयक बैठक में भारत के उप स्थायी प्रतिनिधि आर. रवींद्र ने चेतावनी देते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र के अभियान सिर्फ कुछ धर्मों तक सीमित नहीं होने चाहिए। भारतीय प्रतिनिधि ने कहा कि नफरत फैलाने वाले भाषणों व भेदभाव के खिलाफ अभियान कुछ चुनिंदा धर्मों और समुदायों तक ही सीमित नहीं रहने चाहिए। यह सुनिश्चित करना संयुक्त राष्ट्र की जिम्मेदारी है कि ऐसे अभियानों के दायरे में सभी धर्मों और समुदायों के प्रभावित लोगों को शामिल किया जाए। हिंसा को बढ़ावा देना शांति, सहिष्णुता और सद्भाव की भावना के खिलाफ है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आतंकवाद सभी धर्मों और संस्कृतियों का विरोधी है।

आर. रवींद्र ने कहा कि हमें कट्टरपंथ व आतंकवाद का सामूहिक रूप से मुकाबला करना चाहिए।

भारत हमेशा से यह मानता रहा है कि लोकतंत्र और बहुलवाद के सिद्धांतों पर आधारित समाज विविध समुदायों को एक साथ रहने के लिए एक बेहतर माहौल प्रदान करता है। संवैधानिक दायरे में विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार का वैध प्रयोग लोकतंत्र को मजबूत करने तथा असहिष्णुता का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण होता है।

टला तेल संकट: रूसी तेल के आयात से टला भारत का संकट

नई दिल्ली: रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की शुरूआत के बाद अमेरिका ने रूस को आर्थिक तौर पर तोड़ देने के लिए उस पर प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन अमेरिका का ये दांव अब न केवल फेल होता हुआ नजर आ रहा है, बल्कि इसकी वजह से भारत और इसके जैसे कच्चे तेल के आयातक देशों को फायदा भी मिलने लगा है। दावा किया जा रहा है कि आर्थिक प्रतिबंध लगने के बाद भारत और चीन अंतरराष्ट्रीय मूल्य की तुलना में जबरदस्त डिस्काउंट के साथ रूस से कच्चे तेल की खरीदारी कर रहे हैं, जिसकी वजह से ना केवल अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में कमी आई है, बल्कि भारत को अपने ऑयल इंपोर्ट बिल में कमी करने में भी काफी मदद मिली है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पिछले कुछ दिनों के दौरान क्रूड ऑयल की कीमत में प्रति बैरल 17 से 20 डॉलर तक की कमी आई है। ब्रेंट क्रूड फिलहाल 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से नीचे कारोबार कर रहा है, वहीं वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड (डब्ल्यूटीआई क्रूड) की कीमत भी गिरकर 105 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से नीचे आ गई है।

दोबारा एकजुट होने की कोशिश में हैं नक्सली

ओडिशा: हाल ही में ओडिशा में सीआरपीएफ के तीन जवानों पर घात लगाकर किए गए हमले और नक्सलियों द्वारा उनके हथियारों की लूट को सुरक्षा अधिकारी शांत इलाकों में माओवादी विद्रोह को फिर से जगाने के प्रयास के रूप में देख रहे हैं। छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे राज्य के नुआपाड़ा जिले में 21 जून को अर्धसैनिक बल के दो सब इंस्पेक्टर और एक कांस्टेबल पर घात लगाकर हमला किया गया था और उनकी अत्याधुनिक असॉल्ट राइफलों को माओवादियों ने लूट लिया था।

हमले में मल्ला राजी रेड्डी का हाथ: एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने

बताया कि केंद्रीय सैन्य आयोग और ओडिशा राज्य माओवादी समिति के प्रमुख मल्ला राजी रेड्डी उर्फ सथेना/मुरली/संग्राम ने तीन कर्मियों पर हमला किया, जो संभवतः अपनी टीम से अलग-थलग थे। सुरक्षाकर्मियों की मौत उस वक्त हुई जब वे एक खुले मैदान में एक पेड़ के नीचे थे और उन पर कच्चे 'बैरल ग्रेनेड लांचर' से हमला बोला गया जिनके अंदर विस्फोटक भरे हुए थे। मारे गए कर्मी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 19वीं बटालियन की 'गोल्फ' कंपनी के थे और एक नए फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस को सुरक्षित करने की ड्यूटी पर थे, जिसे सीआरपीएफ ने केवल तीन दिन पहले क्षेत्र में स्थापित किया था।

अधिकारी ने कहा कि नुआपाड़ा जिले और इसके दूरदराज के इलाकों में कोई हिंसक घटना नहीं हुई है, जिसमें सहजपानी गांव के पास भी शामिल है जहां मंगलवार को घात लगाकर हमला किया गया था। यह माओवादियों द्वारा अपनी उपस्थिति दर्ज करने और अपनी गतिविधि को फिर से शुरू करने का एक प्रयास लगता है।

तीन दशक पुराने पायलट प्रोजेक्ट को नया कलेवर दिया गया, तीनों सेनाओं में नई भर्ती नीति लागू करने में तीन दशक लगे

'अग्निपथ' योजना: कुल 254 बैठकों में 750 घंटे तक किया गया मंथन

नई दिल्ली: इस समय देश की सबसे चर्चित 'अग्निपथ' योजना तीन दशक बनी योजना का बदला रूप है। इसे सेना के भीतर सैनिकों की औसत आयु कम करने के लिए बनाया गया था। इसके बाद बने सेना के पायलट प्रोजेक्ट 'टूर ऑफ ड्यूटी' के तहत 254 बैठकों में 750 घंटे तक मंथन करके इसे नया कलेवर दिया गया है। भारतीय रक्षा प्रतिष्ठान को देश की सैन्य भर्ती नीति 'अग्निपथ' लागू करने में तीन दशक लगे। दरअसल, 1989 में पहली बार भारतीय सैनिकों की

बढ़ती उम्र को देखते हुए सेना में औसत आयु कम करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। असली समस्या 1963-67 के बीच हुई सैनिकों की भर्ती बनी, क्योंकि सरकार ने 1965 से पहले जवानों के सेवानिवृत्त होने की उम्र सात साल से बढ़ाकर 17 साल कर दी थी। इस वजह से न केवल सेना में वृद्ध जवानों का अनुपात बढ़ा, बल्कि हर साल सेवानिवृत्त होने वाले सैनिकों की संख्या भी बढ़ी। खासकर 80 के दशक में तेजी से सेवानिवृत्ति बढ़ने से सरकार पर पेंशन का बोझ भी बढ़ा। इस पर सरकार ने सैनिकों की वृद्धावस्था प्रोफाइल का मुद्दा ध्यान में रखकर गंभीरता से विचार करना शुरू किया। सरकार का मानना था कि अगर यह व्यवस्था ठीक न की गई तो भारतीय सेना लगातार बूढ़ी होती जाएगी। तब सेना के अधिकारियों ने पहली बार 1985 में सरकार के सामने एक प्रस्ताव रखा, जिस पर गंभीरता से विचार करना शुरू किया। सेना के इस प्रस्ताव में कहा गया कि सेना की लड़ाकू इकाइयों में भर्ती होने वाले लोग आमतौर पर 25 साल की उम्र तक यानी सात साल तक काम करेंगे। साथ ही तकनीकी, कुशल नौकरियों के लिए भर्ती किए गए ।

लोकसभा उपचुनाव : रामपुर-आजमगढ़ में हुई वोटिंग

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव के लिए गुरुवार सुबह सात बजे से मतदान हुआ। अपराह्न तीन बजे तक दोनों सीटों के लिए औसतन 35.11 प्रतिशत मतदान हुआ। रामपुर में मतदान का प्रतिशत 32.19 और आजमगढ़ में 37.82 फीसद रहा। अपराह्न एक बजे तक दोनों सीटों के लिए औसतन 27.99 प्रतिशत मतदान हुआ। उस समय तक रामपुर में मतदान का प्रतिशत 26.39 और

आजमगढ़ में 29.48 फीसद रहा। पूर्वाह्न 11 बजे तक दोनों सीटों के लिए औसतन 19.34 प्रतिशत मतदान हुआ। रामपुर में मतदान का प्रतिशत 18.81 और आजमगढ़ में 19.84 फीसद रहा। वहीं शुरू के दो घंटे में यानि सुबह नौ बजे तक रामपुर ।

खबर संक्षेप

सड़क पर गन्दा पानी बहने से राहगीरों को आवागमन में दिक्कत

लेडियारी। बिकास खन्ड कोरांव क्षेत्र के डीही खुर्द पूर्व प्रधान मुस्ताक अली के मजरे में जाने वाले मार्ग पर पानी भरा रहने से आवा गमन में दिक्कत का सामना उठाना पड़ रहा है वक्त गांव के जिम्मेदार लोगों के घर के नरदे का पानी बीच सड़क पर बहता है और काफी गड्ढे में सड़क तब्दील हो गयी है।आप को बताते चले की पूर्व प्रधान के घर जाने वाले रास्ते पर क्षेत्र पंचायत सदस्य के परिवार जनों के घर का गन्दा पानी बहने से राहगीरों को दिक्कत का सामना उठाना पड़ रहा है। मुस्ताक अली का कहना है कि सड़क पर पाइप इन लोगों को लगाने के लिए कई बार हम लोग बोल चुके हैं लेकिन जबरन ये लोग रास्ते में पानी गिरा रहे हैं आये दिन लोग गिर कर चोटहिल हो रहे। उपजिलाधिकारी का इस ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए रोड पर जल निकासी हेतु पाइप लगाने की मांग ग्रामीणों ने किया है।

अलग-अलग जगहों पर टैक्टर व ट्राली में भिड़ंत दो की मौत, महिला घायल

भभौर में ईंट लदे ट्रैक्टर से कुचलकर अधेड़ की तो पांडे का मड़हा में खड़ी ट्राली से टकराकर बाइक सवार युवक की हुई मौत

अखंड भारत संदेश

कोहड़ार कोरांव मार्ग पर घटना के बाद ग्रामीणों ने भभौर गाँव में किया चक्का जाम

मृतक की फाइल फोटो

रत्योंरा। स्थानीय थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर हुई मार्ग दुर्घटनाओं में दो की जान चली गई। पहली घटना कोरांव थाना क्षेत्र के भभौर मोड़ पर घटी जहां ओवरलोड ईंट लदे ट्रैक्टर ट्राली से कुचलकर बाइक सवार अधेड़ व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक रामलाल तिवारी पुत्र अमरनाथ तिवारी (48) निवासी नारि पथरा थाना मेजा अपनी भाभी को लेकर कोरांव थाना क्षेत्र के पचेड़ा गांव प्लास्टर बधाने गए हुए थे। बाइक चचेरा भाई आनंद तिवारी चला रहा था। पचेड़ा से वापस गांव लौट रहे थे कि भभौर मोड़ के पास एक ओवरलोड ईंट लदे अनियंत्रित ट्रैक्टर ट्राली ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे पहिए से कुचलकर मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली को हिरासत में ले लिया। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने घटना स्थल पर चक्का जाम कर दिया। पुलिस प्रशासन के काफी जद्दोजहद पर घंटो बाद आवागमन बहाल हो सका। मृतक रामलाल तिवारी को तीन पुत्र एवं एक पुत्री है। पुत्री का विवाह हो गया है, तीनों पुत्र अभी अविवाहित हैं। ईट लदा ट्रैक्टर ट्राली प्रशांत मिश्रा पुत्र राजकुमार निवासी भैंसौड़ बलाय पहाड़ मिजार्पुर का बताया जा रहा है। परिजनों की मान मनौव्वल के बाद पुलिस ने मृतक रामलाल तिवारी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसी क्रम में दूसरी घटना कोरांव थाना क्षेत्र के पांडे का मडहा में घटी जहां कोराव लेडियारी मार्ग पर सड़क पटरी पर खड़ी ट्राली से टकरा कर बाइक चालक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक अरुण कुमार पुत्र प्रेम शंकर (22) निवासी बरनपुर थाना कोरांव खीरी थाना क्षेत्र के टोंगा गांव अपने बुआ के घर बहन सरिता को बुलाने गया हुआ था। सरिता 15 दिन पूर्व अपने बुआ के यहां गई थी। वह उसे बुलाकर वापस घर लौट रहा था कि पांडे का मड़हा में सड़क के किनारे पटरी पर खड़ी ट्राली से टकरा गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। जब-जब की बाइक पर बैठी बहन भी गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक अरुण अपनी मां-बाप का इकलौता संतान था, तीन बहने हैं। अरुण का विवाह बीते 11 व 12 मई को खीरी थाना क्षेत्र के जोरवट गांव की रहने वाली रीता से हुआ था। हादसे की खबर जैसे ही घर पहुंची परिवार एवं ससुराल में कोहराम मच गया। रोते बिलखते परिजन अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दोनों घटनाओं से दोनों परिवारों में कोहराम मचा रहा। अरुण की माता पत्नी समेत परिजनों का जहां रो-रोकर बुरा हाल था वहीं मृतक रामलाल तिवारी के परिवार में भी कोहराम मचा रहा।

न्यूज झरोखा

ट्रैक्टर-ट्राली के साथ दो शातिर चोर गिरफ्तार

शंकरगढ़। यमुनापार के शंकरगढ़ थाने की पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी का ट्रैक्टर, ट्राली और तमंचा बरामद हुआ है। पूछताछ के बाद दोनों का चालान भेज दिया गया। जानकारी के मुताबिक शंकरगढ़ पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर एनटीपीसी नहर पुलिया के पास दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से एक ट्रैक्टर (ट्राली सहित) बरामद हुआ, जो 17 जून की रात को क्षेत्र के शिवराजपुर से चुराया गया था। उपनिरीक्षक अजीत कुमार वर्मा ने बताया कि दोनों के पास से एक तमंचा भी बरामद हुआ है। पूछताछ के बाद धरे गए शातिर चोर आदित्य साहू उर्फ प्रियांशु पुत्र शिव साहू (कृष्णानगर, कीडगंज) और तुषार उर्फ श्रेयांस साहू पुत्र शैलेष चंद्र साहू (डांडी बाजार, रींवा रोड, नैनी) का चालान भेज दिया गया है। एसआई अजीत कुमार ने बताया आदित्य के खिलाफ दो और तुषार के खिलाफ एक मामला पहले से पंजीकृत है। दोनों का आपराधिक इतिहास पता किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली टीम में एसओ मनोज कुमार सिंह, एसआई दीपक कुमार सिंह,एसआई ऋतुराज सिंह, कांस्टेबल बलिराम सिंह, शशिकांत यादव शामिल रहे।

नशा मानव जीवन में शरीर को खोखला कर रहा है:सुनीता

करछना। पडीत दीनानाथ शुक्ल जन.सेवा समिति ओर से डाभी व बखतपुर गांव मे कैम्प लगाकर लोगों को नशे से होंने वाली बीमारी के बारे बताया गया । समति कि अध्यक्ष सुनीता देवी ने बताया नशा हमारे समाज में जहर कि तरह फैल रहा है। जो हमारे शरीर को खोखला कर रहा है। आर्थिक हानि भी होती हैं लोगो में नशे से दुर रहने के लिये शपथ भी दिलाया । इस अवसर पर बृजेश मिश्रा उपाध्यक्ष ज्योत्सना मिश्रा शुचिता मिश्रा डॉ अजय मिश्रा सिमा देवी रंजना शुक्ला आलोक पांडेय कृपा शंकर अंजनी पुग्गा पांडेय संजू मिश्र सहित आदि लोगों ने भाग लिया।

पत्रकार की माता जी निधन लोगों ने व्यक्त किया शोक

जंघई। नागरिक इंटर कॉलेज जंघई से सेवानिवृत्त संगीत शिक्षक एवं भोगीपुर, सेमरी गांव निवासी कैलाशनाथ तिवारी कवि जी की धर्मपत्नी एवं जयंती तिवारी कार्यरत यूनियन बैंक एवं मंगला प्रसाद तिवारी पत्रकार की माता जी का निधन लंबी बीमारी के बाद बुधवार को हो गया। उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिवार को सहनशक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना किया।

शिक्षाविद श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मनाई पुण्य तिथि

करछना। गुरुवार को भारतीय राजनितिज्ञ,बैरिस्टर और शिक्षाविद रहे श्यामाप्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि वरिष्ठ भाजपा जिला उपाध्यक्ष त्रिवेणी प्रसाद पाण्डेय के आवास सद्भावना भवन डीहा पर मनाया गया।जिसमें मंडल उपाध्यक्ष कमलेश सिंह,शशिकांत पाण्डेय, सूर्य कान्त मिश्र, बाबू राजप्रताप सिंह, मित्तल चौधरी, पंकज तिवारी आदि लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और उनके जीवन पर प्रकाश डाला और कहा कि जहाँ हुए बलिदान मुखर्जी वो कश्मीर हमारा है। इस मौके पर गांव के कई गणमान्य लोग शामिल होकर पुष्प अर्पित करते हुए नमन किया।

बिना परीक्षा प्रमोट करने की मांग पर अड़े इविवि के छात्र

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बिना परीक्षा के प्रमोट किए जाने की मांग को लेकर एलएलबी के छात्र भी अड़े रहे। हालांकि सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी मान-मनौव्वल की, लेकिन बात नहीं बनने पर छात्रों को पुलिस वैन में लादकर पुलिस लाइन पहुंचा दिया गया। बताते चलें कि इविवि के एलएलबी के छात्र बिना परीक्षा के ही प्रमोट किए जाने की मांग पर अड़े हुए हैं। इसे लेकर छात्रों ने बुधवार को भी दिनभर हंगामा चला था। एलएलबी के छात्रों का कहना है कि पाठ्यक्रम अधूरा पड़ा है। कक्षाएं नहीं चली हैं। छात्रों की पढ़ाई नहीं हो पाई है। इसलिए परीक्षा न लेकर उन्हे सीधे प्रमोट कर दिया जाए, इसके साथ ही पांचवें सेमेस्टर की कक्षाएं एक जुलाई से शुरू की जाएं। इस मांग को लेकर छात्रों ने बीते 20 जून को भी हंगामा कर परीक्षा नियंत्रक को अपनी मांगों से अवगत कराया था और मांग नहीं माने जाने पर प्रदर्शन की चेतावनी दी थी। इसी के मद्देनजर एलएलबी के छात्रों ने 22 जून से प्रदर्शन शुरू कर दिया। हालांकि बुधवार को चीफ प्राक्टर ने स्पष्ट कर दिया था कि इविवि प्रशासन ने परीक्षा कराने का निर्णय लिया है। इसके बाद छात्र हंगामा करने लगा। छात्रों का यह हंगामा आज भी जारी रहा। छात्र बीती रातभर धरने पर बैठे रहे और आज भी इविवि प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। पूर्वाह्न पुलिस उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे और छात्रों को मनाने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। चीफ प्राक्टर हर्ष कुमारर ने भी छात्रों को समझाने की कोशिश की, पर बात नहीं बनी। इसके बाद पुलिस प्रशासनिक अफसरों की मौजूदगी में छात्रों को पुलिस वैन में डालकर पुलिस लाइन भेज दिया गया। चीफ प्राक्टर का कहना है कि एलएलबी की परीक्षा तय समय पर ही होगी।

शादी समारोह से उच्चको ने दो लाख रुपये उड़ाए

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के नैनी गांव छिवकी जंक्शन के समीप स्थित एक गेस्ट हाउस में बुधवार रात वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान बराती का पैसों से भरा बैग काट लिया गया। बताया जाता है कि बैग में दो लाख नगद थे। हालांकि पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है। आपको बता दें कि मंगलवार को नैनी इंडस्ट्रीयल कॉलोनी में रहने वाले सुरेंद्र सिंह के घर से बारात छिवकी जंक्शन के समीप एक गेस्ट हाउस में गई थी। जैसे ही बारात गेस्ट हाउस के अंदर पहुंची उच्चको ने सुरेश सिंह का बैग ब्लेड से काट लिया।उसमे रखा दो लाख रुपए गायब कर दिया। सुरेंद्र जब द्वारचार के पास पहुंचा तो देखा उनके बैग से रुपए गायब थे।बैग पलट कर देखा तो बैग ब्लेड से काटा गया था। भुक्तभोगी ने पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच की भुक्तभोगी के अनुसार दो लाख रुपये बैग में था। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी।

प्रधान पति के ऊपर हुआ जानलेवा हमला

अखंड भारत संदेश

आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, दूसरे गांव के भू माफिया कर रहे थे ग्राम सभा की जमीन पर कब्जा

सोरांव। गुरुवार को सोरांव थाना क्षेत्र के बाहर सराय निवासी व प्रधान पति राम गणेश मौर्य अपने घर पर थे। तभी गांव के कुछ लोगों ने सुबह लगभग 9 बजे फोन पर बताएं कि दूसरे गांव के लोग आकर अपने गांव की ऊसर भूमि को कब्जा कर रहे हैं। इतने में ग्राम प्रधान मनोरमा देवी अपने पति संग मौके पर गई। और कब्जा कर रहे लोगों को कब्जा न करने की बात कही। इतने में विपक्षियों ने प्रधान पति पर जानलेवा हमला कर दिए और इतना ही नहीं बगल स्थित तालाब में उठा कर फेंक दिए। जिससे प्रधान पति घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे प्रधान संघ सोरांव के प्रधानों ने थाने का घेराव किए। तब पुलिस ने तुरंत पीड़ित की तहरीर पर भू माफिया सुमित यादव उर्फ खुशदिल यादव पुत्र हरी प्रताप,राजेंद्र कुमार पटेल, त्रिभुवन कुमार पटेल, सतीश कुमार पटेल, महेंद्र कुमार पटेल, निवासी बादलपुर थाना सोरांव के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्राण घातक हमला, छिनैती जैसे विभिन्न मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है। पीड़ित का सीएचसी सोरांव में मेडिकल करवाया गया। जहां हालत गंभीर होने पर जिला हॉस्पिटल रिफर कर दिए हैं। पीड़ित की हालत चिंता जनक बनी हुई है।

करोड़ों की लागत से बनी मंडी की हालत बदहाल....

अखंड भारत संदेश

लेडियारी। शासन ने पूरे यमुनापार के किसानों के हितों को देखते हुए और राजस्व के पर्याप्त संसाधन की संभावनाओं को देखते हुए लेडियारी क्षेत्र के कृषि मंडी उत्पादन मंडी समिति के स्थापना 1988 में स्थापना हुआ कुछ ऐसा ही कि आज यहाँ यमुनापार के ही नहीं दूर दराज के किसान और व्यापारी खरीदारी के लिए जमघाट लगता है पर उक्त मंडी आने जाने मुख्य सड़क 2 वर्ष पूर्व टूट जाने पर पुनः निर्माण कार्य न होने से किसानों के लिए मूलभूत साधनो को मुहैया कराए गए नाही इनके अनाज के हिफाजत के लिए न हीं सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं मंडी विकास के लिए पैसा तो पर्याप्त आया पर सही दिशा में प्रयोग न किए जाने से आज भी किसान और व्यवसाई दिक्कत में रहते हैं इसके अलावा इसको प्रधान मंडी के नाम से जाना जाता है, करोड़ो की लागत से बनी लड़ी यारी कृषि उत्पादन मंडी समिति ाओं के लिए जनप्रतिनिधि प्रशासनिक उपेक्षा के चलते बदहाली के कगार पर पहुंच गई है। बदहाल आने जाने का रास्ता बंद चुकी है यमुनापार के अधिकांश के किसान हॉट करने के लिए रविवार, बुधवार करने आते हैं डॉट के दिन किसानों व व्यापारियों का बड़ा जमघट लगता है पर यहां सुविधाओं का पूरी तरह से टूटा है. पेयजल सहित यहां पर मूलभूत साधनों के अभाव में शासन को इस कारोबार से करोड़ों का वार्षिक राजस्य लाभ होता है। यमुनापार का लापर क्षेत्र अपने उर्वरा के लिए पर्याप्त है इसी के चलते इसको धान का कटोरा के नाम से जाना जाता है चायल के जितने कोर्ट यहां सुलभ शायद ही क्षेत्र में कहीं मिले तो यहां कोलकाता बिहार झारखंड, राजस्थान जौनपुर गाजीपुर वाराणसी प्रयागराज कानपुर, मध्य प्रदेश सहित अन्य प्रदेश के खरीदारी करने आते हैं इन व्यापारियों को यहां सस्ते दाम पर चावल और अन्य खाद्यान्न सामग्री भी सुलभ हो जाता है। हालांकि क्षेत्रीय किसानों ने इसका प्रधान कृषि मंडी का दर्जा के अलावा सुरक्षा और अन्य सुविधा सहित स्थानीय प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से गुजारिश कर चुके है. पर आज भी समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है इतनी बड़ी मंडी के लिए दो अदत हैंडपंप लगाए गए मैं उस पर भी अक्सर पेयजल साधन ध्यस्त रहते हैं। प्रशासन यह जानते हुए भी हजारों की संख्या में आवाजाही होती है फिर भी प्रशासन इसकी लगातार उपेक्षा किए जा रहे हैं यद्यपि पेयजल के साधन मंडी के लिए ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रही है। इसके लिए भी ग्रामीणों ने व्यवस्थापक से कई बार शिकायत दर्ज की पर आज तक इसके लिए कोई व्यवस्था नहीं किया गया प्रशासन द्वारा लगातार मंडी की सुवि ाओं की अपेक्षा किया जा रहा है। जबकि करोड़ों का लाभ शासन को मिल रहा है क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि मंडी विकास के लिए पैसा तो पानी की तरह बहाया गया पर आज तक मंडी समिति में कोई सुवि देखने को नहीं मिला किसानों ने जिलाधिकारी का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए उक्त मंडी पेयजल नाली रास्ता आदि मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था कराए जाने की मांग की है।

कमला पंप कैनाल में छोड़ा गया पानी , क्षेत्र के किसानों के चेहरे पर दिखी मुस्कान

बारा। कमला पंप कैनाल बारा क्षेत्र के सैकड़ों गांवों के किसानों की सिंचाई का मुख्य साधन है कमला पंप कैनाल लगातार दो महीनों से बंद चल रही थी जिससे धान की खेती बाधित हो रही थी 14.6.2022को प्रकाशित खबर का असर हुआ नहर से सिंचित गांव टिकरी कला गजापुर रिगवा बारा पिपराव घूरमी असरवाई चामू बैजला तातारगंज हरदी आदि गांवो के किसानों के चेहरे पर दिखी मुस्कान किसान विनोद कुमार गुरुचरण शिवमूरत हरिहर धान की खेती करते हैंइन्होंने बताया कि समय रहते नहर में पानी छोड़ दिया गया अब किसानों को धान की बीज डालने में परेशान नहीं होना पड़ेगा इस वर्ष तपते मौसम के कारण तालाब नाले आदि का पानी सूख गया था टिकरी कला के किसान बाबा सिंह हनुमान सिंह ने बताया कि नहर में पानी छोड़े जाने से धान की खेती की दिक्कत खत्म हो गई है।

अब नैनी वालों का भी होगा ई चालान

नैनी। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले सावधान हो जाएं अब शहर के अलावा नैनी झूंसी और फाफामऊ में भी यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर सीसीटीवी कैमरे की मदद से ऑनलाइन चालान किया जाएगा। चौराहों पर उपकरण लगाने की तैयारी शुरू हो गई है। बुधवार को एडीजी यातायात अशोक कुमार ने पुलिस लाइन में विभिन्न विभागों के साथ हुई बैठक में एडीजी एसएसपी के अलावा यातायात पुलिस नगर निगम नेशनल हाईवे अर्थारिटी पीडब्ल्यूडी,स्मार्ट सिटी, परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग,समेत अन्य विभागों के अफसर मौजूद रहे। यातायात पुलिस के मुताबिक अभी तक शहर के 7 प्रमुख चौराहे मेयोहाल, धोबी घाट, बालसन चौराहा, सुभाष चौराहा, मेडिकल कॉलेज, हनुमान मंदिर चौराहा,और ट्रैफिक चौराहा पर लगे कैमरे से ही ई चालान किया जा रहा है।अब शहर के अन्य चौराहों समेत नैनी झूसी और फाफामऊ मे भी ई चलान किया जाएगा।कैमरे की मदद से ट्रिपलिंग करने वाले बिना हेलमेट बाइक चलाने वालों का भी ई चालान करने का निर्देश दिया गया है।

धान क्रय केंद्र पर बेचने के बावजूद भी किसानों का नही हुआ भुगतान

अखंड भारत संदेश

माँ तारा किसान प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड क्रय केंद्र कोरांव का मामला

रत्योंरा। एक तरफ प्रदेश सरकार का द्वारा किसानों के धान का भुगतान एक सप्ताह के अन्दर किये जाने का खातों में भेजने का फरमान जारी किया है। लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की तानाशाही की वजह से किसानों के धान का पाँच माह बीतने के बावजूद एक भी किसान का भुगतान माँ तारा प्रोड्यूसर लिमिटेड कंपनी के द्वारा नही किया गया जिससे किसान परेशान हैं ऐसा मामला कोरांव तहसील क्षेत्र के उपमंडी तराव कोरांव का है।माँ तारा किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा खोले गए क्रय केंद्र पर तौली गई धान का किसानो के खातों में पाँच माह बीत जाने के बावजूद भी एक भी किसानों का भुगतान नहीं किया गया है जिससे किसानों में सरकार के प्रति आक्रोश देखा जा रहा है। माँ तारा किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड कोरांव उपमंडी के क्रय केंद्र पर लगभग 87 किसानों के द्वारा लगभग चार हजार कुन्तल धान क्रय की गई है।किसानों ने आरोप लगाया कि किसी भी किसानों के खाते में अभी तक जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा धान के पैसों का भुगतान नही किया गया है। कृषकों में प्रदीप सिंह अनिता देवी वीरेन्द्र कुमार अनिल कुमार मो0गौस राजकुमारी रुकसाना बेगम अनिता देवी ,अशोक कुमार संतोष कुमार पांडेय समेत कई किसानों ने बताया कि इस समय किसानी का समय आ चुका है और बच्चों के पढ़ाई खेत की जुताई व खाद के लिए किसानों को पैसे के लिए सख्त जरूरत है। किन्तु किसान अपनी गाढी कमाई बेचने के बाद पैसे के लिए तरस रहा हैं। उन्होंने बताया कि तहसील दिवस से लेकर सीएम के पोर्टल एवं 1076पर किसानों के द्वारा कई बार शिकायत दर्ज कराया है किन्तु जिम्मेदार अधिकारियों हीलाहवाली करते हुए कहते हैं कि एक सप्ताह तक भुगतान कर दिया जायेगा। किन्तु पांच माह बीतने के बावजूद भी किसी भी किसानों के खातों में भुगतान नहीं किया गया है।माँ तारा किसान प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड क्रय केंद्र पर धान बेच चुके हैं किसानों ने जिलाधिकारी प्रयागराज एवं विभागीय अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराते हुए क्रय की गई किसानों का धान का शीघ्र भुगतान कराने की मांग की है।निजी क्रय केंद्र एजेंसियों द्वारा खोले गए क्रय केंद्रों पर प्रत्येक वर्ष किसानों के साथ धोखाधड़ी कर वर्ष भर बाद पैसो का भुगतान किया जाता है जिससे किसानों को विषम समस्याओं से जूझना पड़ता है।किसानों ने क्रय की गई धान का शीघ्र भुगतान कराए जाने की मांग की है।

चार महीने में नहीं बन पाई 1.6 किलोमीटर सड़क

कार्य अधूरा छोड़कर ठेकेदार हुआ फरार,आवागमन में हो रही फजीहत

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। लोक निर्माण विभाग द्वारा शंकरगढ़ के रानीगंज में बनवाई जा रही सीसी रोड, नाली व पटरी का निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है, जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ राहगीरों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य अधूरा छोड़े जाने की शिकायत लोनिवि के अफसरों के साथ-साथ जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से की है। निर्माण खंड 3, लोक निर्माण विभाग द्वारा शंकरगढ़ के रानीगंज तिराहा से नगर पंचायत शंकरगढ़ को जोड़ने वाली सड़क पर लगभग 1.6 किलोमीटर की सीसी रोड मंजूर की गई थी। रोड के दोनों तरफ नाली व पटरी का भी निर्माण कराया जाना था। मार्च 2022 में प्रारंभ हुआ था, लेकिन ठेकेदार की मनमानी के चलते आज भी कार्य अधूरा पड़ा है। सीसी रोड के दोनों तरफ पटरी व नाली का निर्माण कार्य अधूरा छोड़ दिए जाने से लोगों को आवागमन में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा बरसात के दिनों मेंस्थिति और नारकीय हो जाएगी। इस संबंध में स्थानीय लोगों द्वारा लोकनिर्माण विभाग के जेई व एक्सईएन से फोन पर कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई असर नहीं हुआ। रोड के किनारे पटरी न होने के कारण लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। बारिश का मौसम आ गया है। नाली निर्माण न होने से बारिश का पानी लोगो के घरों में घुसने का खतरा बढ़ गया है। लोगों का कहना है कि सीएम भ्रष्टाचार दूर करने के लिए दिनरात मेहनत कर रहे हैं तो दूसरी तरफ पीडब्ल्यूडी के जिम्मेदार सीएम के मंसूबों पर पानी फेर रहे हैं। चार महीने में महज 1.6 किमी लंबी सीसी रोड नहीं बन पाई।स्थानीय लोगों ने मंडलायुक्त और जिलाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अधूरे कार्य को पूर्ण कराने की मांग की है।

सपा नेता ने जन्म दिन पर किया वृक्षारोपण

मेजा। छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र के परम शिष्य, समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह का विगत वर्षों की तरह बुधवार को सहयोगियों एवं शुभचिंतकों द्वारा 62 वां जन्मदिन मनाया गया। सुबह से ही पार्टी कार्यकताओं तथा शुभचिंतकों द्वारा नरेन्द्र सिंह के पैतृक घर भड़ेवरा गांव पहुंचकर नरेन्द्र सिंह को फूल माला भेंट कर सम्मानित करते हुए अपनी अपनी शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद दिया। श्री सिंह ने अपने घर के सामने स्थित बगीचे मे आम का पेड़ लगा कर अपना जन्मदिन मनाया। इसके अलावा छेत्र मे भी लोटाढ़, कोटहा, बिसहिजन, मेजारोड, भटौती, बिजौरा, चपरलता, नेवढ़िया, गरेथा, भारतगंज,मांडा खास, भरारी सहित कई गांवों मे भी नरेन्द्र सिंह का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर समर्थकों एवं सहयोगियों ने कहा कि दीन-दुखी और आम जनता नरेन्द्र सिंह को अपना आदमी मानते हैं। श्री सिंह वास्तविक समाजवादी और मानवतावादी नेता हैं, और हम सभी को गर्व है कि हम ऐसे व्यक्ति के साथी और सहयोगी हैं जिसका नाम लेते ही सीना चौड़ा और मस्तक ऊंचा हो जाता है।लोगों ने यह भी कहा कि नरेंद्र सिंह हर समय हर व्यक्ति के लिए उपलब्ध पैरोकार हैं।बधाई देने एवं जन्मदिन मनाने वालों मे प्रमुख रूप से पीयूष कुमार सिंह राजू, नरेन्द्र नाथ मिश्रा, पूर्व प्रधान अनीता सिंह,मुनि नारायण यादव, शिवानंद शुक्ल, शिव बाबा निषाद, फिरोज खान, प्रेम चंद यादव, भोला पाल, हिमांशु कुमार सिंह, विजय बहादुर कुश्वाहा, अफरोज खान, अशर्फी पाल, पारस निषाद, रवि तिवारी, करम चंद, कमलेश कुमार, आदि रहे।

योजनाओं के क्रियान्वयन एवं निर्माणाधीन कार्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

मण्डलीय समीक्षा बैठक : बरसात में गोवंश आश्रय स्थलों पर पानी न भरने पाए यह सुनिश्चित करने को कहा

मंडलीय समीक्षा बैठक करते मंडलायुक्त

प्रयागराज। मण्डलायुक्त संजय गोयल की अध्यक्षता में गुरूवार को आयुक्त कार्यालय के गांधी सभागार में कर करेत्तर एवं राजस्व वसूली, आईजीआरएस के साथ-साथ विकास प्राथमिकता के कार्यों की प्रगति के सम्बंध में मण्डलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त ने कर-करेत्तर से सम्बंधित विभागों के राजस्व वसूली की प्रगति की समीक्षा करते हुए वाणिज्य कर विभाग, आबकारी, स्टाम्प एवं रजिस्टेज्शन, परिवहन, विद्युत विभाग, खनन विभाग सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को प्रवर्तन की कार्यवाही में तेजी लाते हुए लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया है। आबकारी विभाग की राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने जनपद फतेहपुर की वसूली कम पाये जाने पर वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिये। मण्डलायुक्त ने सभी विभागों द्वारा जारी की गयी आरसी के सापेक्ष वसूली कम पाये जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सभी विभागों को आरसी वसूली की कार्रवाई में तेजी लाये जाने के निर्देश दिए है साथ ही इस सम्बंध में बनाये गये नोडल अधिकारियों, तहसीलदारों के साथ लगातार सम्पर्क में रहकर वसूली की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

मण्डलायुक्त ने आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए असंतोषजनक फीडबैक पर की गयी कार्रवाई के सम्बंध में सम्बंधित विभागों के अधिकारियों से जानकारी ली, जिसपर संतोषजनक उत्तर न दे पाने पर अधीक्षण अभियंता विद्युत, डीडी पंचायत, खाद्य एवं रसद विभाग के संयुक्त आयुक्त से स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण रूप से किया जाना सुनिश्चित किया जाये। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने अधिकारियों को चेताते हुए कहा कि किसानों का नुकसान किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को मौके पर जाकर उनके दावों की पड़ताल कर पात्र लोगों को योजना से लाभान्वित कराने के लिए कहा है। निराश्रित गोवंश को संरक्षित करने लक्ष्य में जनपद प्रतापगढ़ की प्रगति ठीक न पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने गोवंशों को संरक्षित किए जाने की स्थिति में सुधार लाये जाने के लिए कहा है। टीकाकरण कार्यक्रम का डाटा त्रुटिपूर्ण प्रस्तुत करने की लापरवाही पर डीडी पशुपालन से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मण्डलायुक्त ने बरसात के मौसम को देखते हुए गोवंश आश्रय स्थलों पर पानी न भरने पाए, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थायें कराये जाने के लिए कहा है साथ ही पिछले वर्षों में जिन गोशालाओं में जलभराव हुआ था, उनको चिन्हित कर सही कराये जाने के निर्देश दिए है, जिन गो आश्रय स्थलों को शिफ्ट करना पड़ता है, उसकी कार्ययोजना अभी से ही बना लेने के लिए कहा है। उन्होंने गोवंश आश्रय स्थलों पर पर्याप्त मात्रा में भूसा-चारा की व्यवस्था बनाये रखने के लिए कहा है। आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने सभी पात्र लोगो को योजना के लाभ से लाभान्वित कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने इसके लिए जनपद प्रयागराज में आयुष्मान मित्र के माध्यम से भी पात्र लोगो का गोल्डेन कार्ड बनाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने इसके लिए आयुष्मान मित्र रखे जाने की कार्ययोजना पर काम करने के लिए कहा है।

ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत कराये जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा में कौशाम्बी एवं प्रतापगढ़ की प्रगति संतोषजनक न पाये जाने पर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। पंचायत भवनों के निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा करते हुए जनपद प्रयागराज एवं कौशाम्बी की प्रगति लक्ष्य के सापेक्ष कम पाये जाने पर कार्य में तेजी लाते हुए कार्य को पूरा कराये जाने के लिए कहा है। ग्रामीण पाइप्ड पेयजल योजना(हर घर जल योजना) की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने कहा कि योजना के अन्तर्गत कार्य को तेजी के साथ पूरा कराये जाने के लिए श्रमिकों की संख्या को बढ़ाये जाने के लिए कहा है साथ ही जहां पर भी भूमि से सम्बंधित समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण करा लें। जहां पर जमीन उपलब्धत हो गयी है, वहां पर डीपीआर बनाकर कार्य को जल्द से जल्द शुरू कराया जाये। इस अवसर पर जिलाधिकारी प्रयागराज संजय कुमार खत्री, जिलाधिकारी प्रतापगढ़ डॉ0 नितिन बंसल, जिलाधिकारी कौशाम्बी सुजीत कुमार सहित सभी जनपदों के मुख्य विकास अधिकारीगणों के साथ ही संयुक्त विकास आयुक्त एवं अन्य विभागों के मण्डलीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने की राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक

अखंड भारत संदेश

उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजस्व निरीक्षकों एवं लेखपालों को किया सम्मानित

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों पूरे मनोयोग के साथ कार्य को पूरा करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि जब आप कार्य को पूरे मनोयोग से करते है, तो कार्य की गुणवत्ता परिलक्षित होती है। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि लक्ष्य बनाकर स्वयं तथा अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को कार्यों को दे तथा उसकी सघन मानीटरिंग करें, जो भी अधिकारी या कर्मचारी उत्कृष्ट कार्य करेगा, उसे सम्मानित भी किया जायेगा। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले राजस्व निरीक्षकों एवं लेखपालों को तहसीलवार सम्मानित किया, सम्मानित होने वालों में तहसील सदर के राजस्व निरीक्षक श्वेता सिंह पटेल तथा लेखपाल शैलेन्द्र सिंह, तहसील सोरांव के राजस्व निरीक्षक चित्रसेन कुमार यादव तथा लेखपाल अवनीश कुमार पाण्डेय, तहसील फूलपुर के राजस्व निरीक्षक कुवंर देवव्रत सिंह तथा लेखपाल विनय कुमार सिंह, तहसील हण्डिया के राजस्व निरीक्षक राजेश कुमार तथा लेखपाल श्री जीत बहादुर श्रीवास्तव, तहसील करछना के राजस्व निरीक्षक पृथ्वीराज सिंह तथा लेखपाल कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, तहसील कोरांव के राजस्व निरीक्षक पंकज उपाध्याय तथा लेखपाल इन्द्रेश कुमार, तहसील मेजा के राजस्व निरीक्षक श्याम सुंदर बैस तथा लेखपाल राकेश तिवारी तथा तहसील बारा के राजस्व निरीक्षक जैसवार हंसराज तथा लेखपाल मिथिलेश कुमार मिश्र है। जिलाधिकारी ने कहा कि जो भी शिकायत कर्ता है, उसकी बातों को सुने तथा उसकी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वरासत के कार्यों में लापरवाही या उदासीनता कत्तई क्षम्य नहीं होगा। उन्होंने सम्मानित किए गए कर्मचारियों के उज्जवल भविष्य की कामना की साथ ही साथ ये कर्मचारी अन्य कर्मचारियों को भी प्रेरित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारीगण, उपजिलाधिकारीगण एवं सम्बंधित सभी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सिराथू विधायक पल्लवी पटेल को हाईकोर्ट से राहत

प्रयागराज। सिराथू से सपा विधायक पल्लवी पटेल को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। पल्लवी पटेल के निर्वाचन को लेकर चुनाव आयोग में हुई शिकायत के मामले में जारी नोटिस पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग की कार्रवाई पर तीखी नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने कहा कि एक चुने गए प्रतिनिधि के खिलाफ कैसे नोटिस जारी कर दी? वह भी एक उप जिला मजिस्ट्रेट के जरिए। आयोग ने खुद क्यों जांच नहीं की? वह उप जिला मजिस्ट्रेट से क्यों जांच करा रहा है। क्या आयोग का इरादा जनप्रतिनिधि का उत्पीड़न किए जाने का है ।उप मजिस्ट्रेट से जांच कराए जाने पर हाईकोर्ट खफा कोर्ट ने निर्वाचन आयोग के अधिवक्ता से पूछा कि आयोग एक संवैधानिक संस्था है। उसके पास चुनाव से जुड़े मामले की जांच करने के लिए खुद ही शक्ति है। वह कैसे उप जिला मजिस्ट्रेट को यह काम सौंप सकता है। कोर्ट ने मामले में सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित कर दिया। पल्लवी सिंह पटेल की ओर से दाखिल याचिका पर मामले की सुनवाई जस्टिस सुनीता अग्रवाल और जस्टिस विक्रम डी. चौहान की खंडपीठ कर रही है। निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश पांडेय पक्ष रख रहे थे। उन्होंने कोर्ट को बताया कि याची के खिलाफ आयोग के समक्ष यह शिकायत आई कि उन्होंने अपने नामांकन के दौरान हलफनामे में आपराधिक मामले की जानकारी छुपाई है। आयोग ने उस शिकायत का संज्ञान लेते हुए उप जिला मजिस्ट्रेट को जांच के आदेश दिए।

ढाबे पर बमबाजी में इंटरस्टेट गैंग के सरगना समेत पांच गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

गिरफ्तार करते हुए उनके पास से स्विफ्ट कार, दो तमंचे, पांच बम और सात मोबाइल बरामद किए हैं। पांचों ने जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि शराब पीने से मना करने पर उन्हें गुस्सा आ गया था, इसलिए उन लोगों ने ढाबा मालिक को टारगेट करते हुए बमबाजी की थी।उनके साथ तीन और लोग थे जिसमें अभिषेक शुक्ला, सोनू और अभिषेक यादव शामिल हैं। एसएसपी अजय कुमार ने बताया कि विवेक यादव और उसके गैंग के सात और सदस्य अवैध रूप से हालैंड हॉल के कमरा नंबर 4, 30 और 70 में अवैध रूप से रहते थे। तीन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं। दो वर्तमान में छात्र हैं। वे हास्टल में रहकर वे तमाम आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे थे। उनके खिलाफ हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, जालसाजी और बमबाजी समेत तमाम धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। वे कई बार जेल भी जा चुके हैं।

प्रयागराज। पीएचक्यू के पास हरीश ढाबे पर बमबाजी के मामले में पुलिस ने इंटरस्टेट गैंग के सरगना विवेक यादव उर्फ बागी समेत पांच बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। गैंग में शामिल तीन अन्य बदमाशों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पकड़े गए बदमाशों के पास से बम और तमंचों के साथ वह कार भी बरामद कर ली गई है जिससे घटना को अंजाम दिया गया था। तीन बदमाश इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं। दो वर्तमान छात्र हैं। वे अवैध रूप से हालैंड हॉल के तीन कमरों में रहते थे। सिविल लाइंस में पीएचक्यू के पास 20 जून की रात हरीश ढाबे पर बमबाजी की गई थी। वहां उस वक्त तमाम लोग खाना खा रहे थे। घटना से वहां दहशत फैल गई थी। ढाबा मालिक चंदन अरोरा ने घटना में दो युवकों को नामजद करते हुए पांच अज्ञात पर केस दर्ज कराया था। पुलिस को कार नंबर मिल गया था। यह भी पता चल गया था कि हमलावर हालैंड हॉस्टल से आए थे। सूचना पर वहां छापा मारा गया। वह कार बरामद हो गई जिससे घटना को अंजाम दिया गया था।उसी समय पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में ले लिया था। बाद में उनसे पूछताछ के बाद बृहस्पतिवार को प्रेस कांफ्रेंस में पूरे मामले का खुलासा किया गया। घटना को इंटरस्टेट गैंग के सरगना विवेक यादव उर्फ विवेक बागी और उसकी गैंग के बदमाशों ने अंजाम दिया था। पुलिस ने विवेक यादव, अमित गिरि, हिमांशु सिंह, संदीप यादव और भानु प्रताप यादव को

बकाया पैसा लेने आए व्यापारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत\

परिजनों ने लगाया गेंहू खरीददार पर हत्या का आरोप

रत्योंरा। राबर्ट्सगंज से गेहूं का बकाया पैसा लेने कोरांव आए व्यापारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस को दी गई तहरीर में मृतक के पिता ने बकाएदारों पर हत्या का आरोप लगाते हुए कार्यवाही किए जाने की मांग की है। जबकि प्रभारी निरीक्षक कोरांव धीरेंद्र कुमार सिंह का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही की जाएगी। पुलिस को दी गई तहरीर में जगनारायण केशरी पुत्र बेंचू केशरी निवासी ग्राम रजधन पोस्ट अदलगंज थाना चोपन जनपद सोनभद्र ने बताया है कि बीते अप्रैल माह में नगर पंचायत कोरांव के रहने वाले शिवनाथ केशरी,ओमप्रकाश केशरी,विश्वनाथ केशरी व रामनाथ केशरी पुत्रगण रामचंद्र केशरी सोनभद्र गेहूं की खरीद करने गए थे। ये सब राबर्ट्सगंज सोनभद्र में दानापानी होटल के बगल में किराए के मकान में रहकर गेहूं की खरीद करने का काम करते थे। जगनारायण का बेटा राजेंद्र कुमार केशरी किसानों से गेहूं खरीदकर बेंचने का काम करता था। वह किसानों से गेहूं खरीदकर शिवनाथ आदि व्यापारियों को बेचता था। खरीद का सीजन खत्म होने के बाद राजेन्द्र का शिवनाथ आदि के ऊपर 11लाख 82 हजार रुपए का बकाया था। किसानों की देनदारी होने के कारण राजेंद्र बकाया रकम के लिए शिवनाथ आदि लोगों को बराबर फोन करता था,जबकि ये सब आज कल का वादा करते रहते थे। शिवनाथ आदि ने 21 जून को फोन करके राजेंद्र को बकाया पैसा ले जाने के लिए कोरांव स्थित अपने आवास पर बुलाया। 22 जून को राजेंद्र लगभग 11 बजे दिन इनके घर पहुंचा। इसकी सूचना राजेंद्र ने मोबाइल से अपने परिजनों को दी। इसके बाद 22 जून सायं करीब साढ़े सात बजे शिवनाथ आदि ने जगनारायण को कॉल करके बताया कि राजेंद्र की तबियत अचानक बिगड़ गई है, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि मोबाइल में राजेंद्र के चीखने चिल्लाने की भी आवाज आ रही थी। वह कह रहा था कि पापा आकर मुझे बचा लीजिए अन्यथा ये सब मुझे मार डालेंगे। इसके बाद राजेंद्र के मौत की खबर प्राप्त हुई। पुलिस को दी गई तहरीर में जगनारायण ने शिवनाथ, ओमप्रकाश,विश्वनाथ व रामनाथ पुत्रगण रामचंद्र केशरी अमित केशरी उर्फ गोलू केशरी पुत्र शिवनाथ व सुलेखा देवी पत्नी शिवनाथ निवासीगण गोविंद नगर कस्बा कोरांव पर उसके पुत्र की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। प्रभारी निरीक्षक धीरेंद्र कुमार सिंह का कहना है कि मृतक के पीएम के बाद उसका बिसरा सुरक्षित कर लिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। तब तक पुलिस मामले की जांच मे लगी हुई है।

जमीन के लिए चाचा ने भतीजे के सिर में मारी थी गोली

अखंड भारत संदेश

हदशा बता कर एसआरएन में कराया था भर्ती

पुलिस की हिरासत में आरोपी हिंचलाल

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र के नीबी गांव में चाचा ने अपने सगे भतीजे को गोली मार दी जिसकी इलाज के दौरान बीते 7 जून को मौत हो गई। माँ को छोड़ परिवार के सभी सदस्यों को घटना की जनकारी थी पर परिजन हदशा बताकर युवक को एसआरएन में भर्ती कराया था। एक्सरे में सर में गोली लगने की बात सामने आई तब रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई। गुरुवार को इंस्पेक्टर झूंसी ने मामले का खुलासाश किया।

झूंसी इंस्पेक्टर ने बताया कि नीबी गांव निवासी राज 17 पुत्र दीनानाथ शर्मा के परिजनों ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी की राज शर्मा 31 मई की रात छत पर टहल रहा था अचानक छत से नीचे गिर उसे एसआरएन में भर्ती कराया था एक्सरे कराने के बाद गोली सर में गोली लगने की बात पता चली पुलिस मामले की जांच कर रही थी। गुरुवार को इंस्पेक्टर झूंसी वैभव सिंह खुलाशा करते हुए बताया कि उस्तापुर में करोड़ों की जमीन के लिए राज के चाचा हिंचलाल ने छत से राज के सर में गोली मार थी। राज माँ उस वक्त घर पर नही थी। पिता मौके पर मौजूद था पर किसी ने मुह नही खोला पुलिस परिजनों से सख्ती से पूछताछ की तब मामला खुलकर सामने आया गुरुवार को गोली मारने वाले हिंचलाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर तमंचा बरामद कर जेल भेज दिया।

भाग की दुकान पर बिक रहा अवैध गाजा

लेडियारी। खीरी थाना क्षेत्र के लेडियारी बाजार में भाग के दुकान पर एवं देवी बाध गांव में गाजा तस्कर बिकवा रहा है खुलें आम गांजा एक हिन्दी दैनिक रिपोर्टर ने लगाया खबर तो समाचार देखते ही तस्कर हो गया आग बबूला हो गया।अपने गांजे में लिप्त लोगों को बुला कर सहायता केंद्र चौकी पर पहुंचा तो दो उपनिरीक्षक बिनोद कुमार एवं चन्द्र शेखर ने दबाव बनाते हुए इस मामले को लेकर सुलहनामा कराने को लेकर भरपूर कोशिश करने लगे लेकिन समझोता नही हो पाया लेडियारी पुलिस सहायता केंद्र पर तहरीर दे दी गई है। पत्रकार ने अपने एवं अपने परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

छिवकी स्टेशन का किया निरीक्षण

नैनी। बुधवार को अग्निपथ स्कीम के विरोध मे हो रहे धरना प्रदर्शन को देखते हुए। प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रविद्र वर्मा उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा छिवकी स्टेशन पर औचक निरीक्षण किया तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त मनोज कुमार सिंह, सहायक सुरक्षा आयुक्त टी.के. अग्निहोत्री,एसडीएम करछना अमृता सिंह,सीओ करछना राजेश यादव व निरीक्षक आरपीएफ पोस्ट प्रयागराज छिवकी भी उपस्थित रहे।

जुलाई में आंदोलन करेंगे रेलकर्मी

प्रयागराज। नार्थ सेंट्रल रेलवे इंप्लाइज संघ केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जुलाई में विरोध सप्ताह मनाएगा। उत्तर मध्य रेलवे के तीनों मंडलों प्रयागराज, आगरा और झांसी में डीआरएम कार्यालय में प्रदर्शन कर रैली निकालेंगे। वार्किंग कमेटी की मीटिंग में यह निर्णय लिया गया। यूनियन नेताओं ने केंद्र सकरार की नीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद की। संघ ने रेलवे बोर्ड द्वारा नान सेफ्टी कैटेगिरी के 50 प्रतिशत रिक्त पदो को सरेंडर करने, इंजनो के रख-रखाव के लिए कानपुर का विद्युत लोको शेड निजी हाथो में देने, झांसी वर्कशाप में कर्मचारियों को इन्सेटिव न देने समेत कई मुद्दों पर आंदोलन की रणनीति तैयार की।

हिंदी सभा में प्रयागराज के साहित्यकार संपादक भगवान प्रसाद उपाध्याय संरक्षक नियुक्त

करछना। अखिल भारतीय स्तर पर प्रचारित प्रसारित संस्था प्रेरणा हिंदी प्रचार सभा में पत्र पत्रिकाओं के संपादक व साहित्यकार शामिल किए गए है। प्रेरणा हिंदी प्रचार सभा के प्रेरणा स्त्रोत धर्म प्रकाश वाजपेयी जी की सहमति व सुव्रत दे जी, डॉ हरेन्द्र हर्ष जी, डॉ निराला पाठक जी , श्री अजय पांडेय वरिष्ठ पत्रकार के प्रस्ताव से एवं डॉ लाल सिंह किरार राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रवक्ता जयदीप खरे जी, सुप्रसिद्ध कवयित्री मणिबेन द्विवेदी की सहमति से नवनियुक्ति कवि संगम त्रिपाठी संस्थापक प्रेरणा हिंदी प्रचार सभा ने की जिसके तहत संरक्षक मंडल में सर्व श्री प्रभात वर्मा जी प्रधान संपादक दैनिक दस्तक प्रभात पटना बिहार व डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय संपादक साहित्यांजलि प्रभा मासिक प्रयागराज उत्तर प्रदेश। प्रांतीय संयोजक प्रसाद राव जामि कवि शिक्षाविद् मंचियाल तेलंगाना। क्षेत्रीय संयोजक मुकुल अमलास कवि साहित्यकार नागपुर व युवा कवि नवनीत कुमार मोतिहारी बिहार नियुक्त मनोनीत किए गए प्रेरणा हिंदी प्रचार सभा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी चर्चित कवि गुरुदीन वर्मा आजाद ने बताया कि नवनियुक्त पदाधिकारियों को सर्व श्री शिवेश्वर दत्त पाण्डेय जी, विश्व भूषण गुप्त, किशन लाल अग्रवाल, अनिल शुक्ला हिंदी सेवी, शैलेश सिंह कुशवाह, श्री गणेश प्रसाद प्यासा जबलपुरी, डॉ अलकप्पा मलियास महेश, इंद्रजीत तिवारी निर्भिक , शशि कान्त'शशि', डॉ अजीत श्रीवास्तव चपाचप बनारसी, अशोक गोयल, अजय प्रकाश मिश्रा , पप्पू सोनी, धर्मेन्द्र कुमार धर्मी, कवयित्री झरना मुखर्जी, मीना सोलंकी मीन, वाणी कर्ण ने बधाई दी व प्रेरणा हिंदी प्रचार सभा के निरंतर प्रगति की कामना की।

कार्यालय ग्राम पंचायत भरहा वि. ख. करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

वित्तीय वर्ष 2022–23 मे ग्राम पंचायत भरहा विकास खण्ड करछना में कराये जाने वाले विकास कार्यो में मनरेगा, राज्य वित्त/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 24–06–2022 से दिनांक 06–07–2022 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्ते किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत भरहा में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 07–07–2022 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 07–07–2022 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्ते लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	ग्राम पंचायत भरहा में पुस्तकालय भवन का निर्माण कार्य	8.00 लाख	3 माह

जगजीवन
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत भरहा
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

पत्रांक: मेमो/ग्राम पं. वि. अ./टेण्डर/ कोटेशन/ 2022–23/ दिनांक

महेश कुमार
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत भरहा
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

इलाहाबाद विवि मे प्रमोशन की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों की पुलिस से झड़प, आठ छात्र हिरासत में

अखंड भारत संदेश

छात्रों को गिरफ्तार करती पुलिस

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालयम में प्रमोशन की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे विधि छात्रों के साथ पुलिस की जमकर झड़प हुई। पुलिस ने आठ छात्रों को हिरासत में ले लिया है। विधि के छात्र परीक्षा न कराकर प्रमोशन के माध्यम से अगली कक्षा में प्रवेश करने की मांग कर रहे हैं। इसको लेकर वह कई दिनों से आंदोलनरत हैं। विवि प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी दशा में छात्रों को प्रमोट नहीं किया जाएगा, उन्हें परीक्षा देनी ही होगी। बावजूद इसके छात्र अपनी मांग को लेकर अड़े हुए हैं। बृहस्पतिवार को आंदोलनरत छात्रों की पुलिस से झड़प हो गई। पुलिस ने आठ छात्रों को हिरासत में ले लिया है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में सत्र 2021-22 की एलएलबी प्रथम एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं होंगी। छात्र कई दिनों से चीफ प्रॉक्टर परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना था कि जब तक विवि छात्रों के प्रमोशन का निर्णय नहीं लेता है। उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। इविवि में सत्र 2021-22 की एलएलबी प्रथम एवं चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाओं के विरोध में सोमवार को विश्वविद्यालय परिसर में हंगामा किया था। छात्रों ने साढ़े छह घंटे तक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय का घेराव किया। इस पर विवि प्रशासन की ओर से आश्वासन दिया गया कि छात्रों की मांगों पर जो भी निर्णय होगा, 22 जून को उन्हें अवगत करा दिया जाएगा तब मामला शांत हुआ था।इससे पूर्व एलएलबी के छात्रों ने 17 जून को परीक्षा नियंत्रक कार्यालय का घेराव किया था। बुधवार सुबह एक बार फिर छात्र परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर जमा हो गए। दोपहर में चीफ प्रॉक्टर ने उन्हें सूचना दी कि परीक्षाएं होंगी। किसी तरह का प्रमोशन नहीं होगा। इससे नाराज छात्र नारेबाजी करने लगे और चेतावनी दी कि जब तक विवि प्रशासन परीक्षा की जगह प्रमोशन का निर्णय नहीं लेता है, प्रदर्शन जारी रहेगा। छात्रों की मांग है कि सात जुलाई से प्रस्तावित एलएलबी प्रथम एवं चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं स्थगित कर उन्हें प्रमोट किया जाए। साथ ही जुलाई के पहले सप्ताह से दूसरे एवं पांचवें सेमेस्टर की कक्षाओं का संचालन शुरू करा दिया जाए। उनका कहना है कि कोविड के कारण सत्र काफी पिछड़ चुका है। छह माह का सेमेस्टर होता है और एक माह की कक्षाओं के आधार पर परीक्षा आयोजित की जा रही है।साथ ही 23 दिसंबर को क्लैट का आयोजन होना है। इसमें शामिल होने के लिए पांचवें सेमेस्टर की मार्कशीट की जरूरत पड़ेगी। छात्रों का कहना है कि अगर इसी रफ्तार से सत्र का संचालन किया गया तो क्लैट में भी शामिल नहीं हो सकेंगे। इसी वजह से छात्र प्रमोशन की मांग कर रहे हैं। खबर लिखे जाने तक छात्रों का प्रदर्शन जारी था। छात्रों का कहना है कि वह रातभर धरना देंगे।

कुण्डा मे सिपाही की पीट पीट कर हुई हत्या

अखंड भारत संदेश

कुण्डा। कुण्डा कोतवाली से थोड़ी ही दूर पर एक सिपाही की पीट पीटकर हत्या कर दी गयी ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को लेकर कुण्डा कोतवाली चली गई।

महेशगंज थाना क्षेत्र के पूरे गौरी रायगढ़ गांव निवासी संजय यादव पुत्र रामलाल यादव छत्तीसगढ़ आर्म्ड फोर्स मे सिपाही के पद पर तैनात था।जो कि छुट्टी लेकर घर आया हुआ था।बुधवार की शाम लगभग 5बजे अपने दोस्तों के साथ घूमने की बात कहकर घर से निकला था। जिसके

मृतक सिपाही की फाइल फोटो।

बाद वह दोस्तों के साथ कुण्डा कोतवाली क्षेत्र के अतहर पेट्रोल पम्प पर खाना खाने गया।लगभग 9 बजे रात मे किसी बात को लेकर विवाद हो गया। जिससे संजय को लोगों ने पीट पीटकर मार डाला।जिसकी सूचना किसी ने कुण्डा पुलिस को दी।सूचना मिलते ही सीओ कुण्डा एकोतवाल कुण्डा मय फोर्स के मौके पर पहुंचे और घटना की छानबीन की ।जिसके बाद कुण्डा पुलिस शव लेकर कोतवाली चली गई ।सूचना परिजनों को दी गई ।मृतक सिपाही संजय यादव के पिता रामलाल ने कुण्डा कोतवाली मे नामजद तहरीर दी है।कुण्डा पुलिस कुछ लोगों को हिरासत मे ली है।

पानी भरे टब में डूबकर मासूम की दर्दनाक मौत

परियावां, प्रतापगढ़। मानिकपुर थाना क्षेत्र के बतावन का पुरवा गाव में शौर्य पुत्र आन्नद मौर्य डेढ़ वर्षीय गुरुवार की सुबह घर मे पानी भरे टब में खेलते खेलते चला गया जिससे उसी में डूबकर मौके पर मौत हो गयी घर के परिजन लोग किसी काम से अंदर चले गए थे। लौटकर देखा तो पानी भरे टब में शौर्य डूबा पड़ा हुआ था परिजनों में कोहराम मच गया। शौर्य के पिता पंजाब में काम करते हैं। परिजन लोग उनके आने का इंतजार कर रहे हैं। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है। जरा सी चूक में मासूम की भोली भाली जान चली गई।

सई नदी में डूबने से मासूम की मौत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सांगीपुर थाना क्षेत्र के घुइसरनाथ धाम स्थित सई नदी में गुरुवार को दोपहर सई नदी में नहाने के दौरान मासूम की मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। सांगीपुर थाना क्षेत्र के गजेहडी निवासी राज बहादुर की छह वर्षीय पुत्री प्रयांशी गुरुवार दोपहर में घुइसरनाथ धाम स्थित सई नदी के किनारे गांव के लोगों के साथ मवेशी चराने गई थी। इसी बीच वह नदी में नहाने चली लगी। इस दौरान वह नदी के गहरे पानी में समा गई। उसे नदी के गहरे पानी में डूबते देख गांव के लोगों ने आसपास व उसके परिवार के लोगों को सूचना दिया। सूचना पर पहुंचे ग्रामीण नदी में मासूम की खोजबीन करने लगे। इस बीच जानकारी होते ही स्थानीय पुलिस भी आ गई। करीब घंटे भर खोजबीन के बाद ग्रामीणों ने मासूम को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी सांसे थम गई थी। घटना की जानकारी होने पर परिजनो में कोहराम मच गया। थानाध्यक्ष जीतेंद्र सिंह का कहना है कि परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया।

किशोरी के साथ दुष्कर्म को लेकर आरोपित के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली लालगंज के एक गांव की पीड़िता के साथ आरोपी ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने पीड़िता का अश्लील वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। मामले में पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गुरुवार को दुष्कर्म व पास्को एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के एक गांव की पीड़िता के अनुसार बीते जनवरी और फरवरी माह में उसकी 16 वर्षीय बेटी के साथ लालगंज कोतवाली क्षेत्र के परसपुर गांव का आरोपी चंद्रभान पुत्र हरीलाल ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। यही नहीं आरोपी ने पीड़िता का अश्लील वीडियो भी बना लिया और उसे वायरल करने की धमकी देने लगा। परेशान पीड़िता ने कुछ माह बाद अपनी मां से आपबीती सुनाई। इसके बाद पीड़िता की मां ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी चंद्रभान वर्मा के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पांच मोबाइल के साथ दो चोर गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। ट्रेनों में मोबाइल चोरी कर यात्रियों की नींद हराम कर रहे दो शातिर चोरों को जीआरपी ने पकड़ा है। उनके पास से चोरी के पांच मोबाइल मिले हैं। गिरफ्तार चोरों को पुलिस ने जेल भेज दिया है। इन दिनों ट्रेनों में मोबाइल चोरी की घटनाएं बढ़ी है।

यात्रियों की शिकायत से जीआरपी का माथा ठनका। एसओ शिवाश्रयराम ने पुलिस टीम बनाकर चोरों के पीछे लगा दिया। इसमें सफलता भी मिली। एसओ ने बताया कि कोतवाली नगर के टक्करगंज मोहल्ले का रामचंद्र उर्फ चंदर उर्फ रंगीलाल को चोरी की दो मोबाइल और अमेठी के सत्य प्रकाश पाण्डेय को तीन मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया है। दोनो शातिर अपराधी हैं। सत्य प्रकाश के ऊपर जीआरपी में पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। रामचंद्र की हिस्ट्री तलाशी जा रही है। दोनो को जेल भेज दिया गया है। कार्रवाई में एसआई मोहम्मद राशिद खान, शिव नारायण, अजय प्रजापति, धर्मदेव, दीपक, विजय शामिल थे।

अमृत महोत्सव में आरपीएफ जवानों ने पिलाया शर्बत

रेलवे के जल सेवा कार्यक्रम से जुड़ा बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बच्चों ने संभाली

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। 75वें आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को रेलवे सुरक्षा बल और बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी के संयुक्त प्रयास से जल सेवा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जो दिन भर चला। जिसमें सैकड़ों यात्रियों को निःशुल्क शर्बत और शीतल जल पिलाया गया। यात्रियों ने कार्यक्रम की सराहना की।

रेल मंत्रालय की तरफ से आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम में रेलवे स्टेशन पर जगह जगह जल सेवा कार्यक्रम

दिन भर चला शर्बत पिलाने का कार्यक्रम, सैकड़ों यात्रियों ने तर किया गला

लोगों को शर्बत पिलाने आरपीएफ जवान।

आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें ट्रेन यात्रियों को निःशुल्क जल पिलाना है। गुरुवार को रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने स्थानीय रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को मीठा जल पिलाया। कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने के लिए बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप के सहयोगी और बच्चे डटे रहे। इस दौरान सरजू एक्सप्रेस, इन्टरसिटी, अयोध्या पैसेंजर, इन्टर सिटी, जनता एक्सप्रेस, पंजाब मेल, पद्मावत एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों के सैकड़ों यात्रियों की शर्बत और जल से सेवा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ इंस्पेक्टर सीपी मिश्रा ने किया। संचालन एसआई मंजीत डबास ने किया। प्रमुख सूत्रधार आरपीएफ जवान रविंद्र यादव रहे। बीबीएफ जी सहयोगी भरत यादव, शनि सरोज, मोहन, हिमांशु, निखिल, साहिल, जय प्रकाश, उमेश, योगेंद्र यादव, राहुल यादव, मल्लन, अजय और सोमदत्त का सक्रिय योगदान रहा। अश्वनी केसरवानी ने सभी के प्रति आभार जताया है।

पहली बारिश ने खोली नगर पंचायत के विकास की पोल

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। गुरुवार को हुई पहली ही बारिश ने नगर पंचायत के विकास की पोल को खोल दी।तहसील परिसर से लेकर अस्पताल तक चारों तरफ पानी ही पानी दिखाई दिया। पहले चेते होते तो शायद यह दिन देखने को न मिलता। नगर की मुख्य समस्या को अधिकारियो द्वारा नजरअंदाज करना ही लोगो के लिए मुसीवत का कारण बन गया है।

स्थानीय नगर पंचायत की जल निकासी की मुख्य समस्या की खबर को प्रमुखता से प्रकाशित करके आगाह किया था, लेकिन

तहसील परिसर से लेकर चारो तरफ दिखा पानी ही पानी

अधिकारियों की मनमानी के चलते नगर वासियों को भुगतना पड़ रहा है। यही नही आम जनता के अलावा सभासद बृजेन्द्र पाण्डेय व ज्ञान चन्द्र मोदनवाल ने भी इस मुद्दे को प्रमुखता से नगर पंचायत कार्यालय में उठाया था लेकिन अपनी मर्जी को लागू करने वाले अधिकारियों ने एक नही सुनी। आज इसी का ही परिणाम है कि तहसील से लेकर सीएचसी हो या भिर प्राथमिक विद्यालय सभी पहली ही बारिश में जलमग्न हो गए। यही नहीं लोगों के घरो में भी पानी प्रवेश कर गया।लोग फ्लोर तल के सामानों को समेटते नजर आए। अगर जिम्मेदार अभी भी नहीं चेते तो आगे और भी समस्या पैदा होगी। नगरवासियों के अलांवा दूर-दराज से आने वाले लोगों को भी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में ईओ से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन बात नही हो सकी।

शैक्षणिक कार्यों में शिक्षक फरहीम किये गये सम्मानित

अखंड भारत संदेश

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत शैक्षिक गतिविधियों में सरकार की मंशा के अनुसार गुणवत्तापूर्ण परिणाम अर्जित करने वाले राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त शिक्षक,उच्च प्राथमिक विद्यालय कटरा गुलाब सिंह के प्रभारी प्रधानाध्यापक मुहम्मद फरहीम को बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाना विभाग के लिए गर्व की बात है। शिक्षक फरहीम ने शैक्षिक सत्र 2021-22 में छात्र छात्राओं के नामांकन का उल्लेखनीय कार्य कर दिखाया। फरहीम के द्वारा किए गए इस उत्कृष्ट कार्य के लिए जिलाधिकारी डॉ नितिन बंसल,मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया तथा उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए सभी को इनसे प्रेरणा लेकर प्राथमिक शिक्षा की लोकप्रियता वापस लाने में अपना योगदान सुनिश्चित करने को कहा। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने निष्ठा पूर्वक अच्छा कार्य वाले अन्य शिक्षको की भी सराहना किया।

हिन्दी जगत के विरले साहित्यकारों में एक हैं डा0 रत्न: रेशमी पाण्डा

डॉ0 दयाराम मौर्य के साहित्य का मूल्यांकन का हुआ लोकार्पण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सृजना साहित्यिक संस्था के तत्वावधान में कोलकाता की प्रख्यात लेखिका डॉ० रेशमी पाण्डा मुखर्जी के शोध-समीक्षा ग्रंथ मानवीय बोध की कलम डॉ० दयाराम मौर्य रत्न के साहित्य का मूल्यांकन का भव्य लोकार्पण राजकीय इंटर कालेज प्रतापगढ़ में हुआ। सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत शारदा संगीत महाविद्यालय की छात्राओं ने प्रस्तुत किया। विषय प्रवर्तन एवं स्वागत डॉ०दयाराम मौर्य रत्न द्वारा किया गया।

शोध समीक्षा ग्रंथ की लेखिका कोलकता की डॉ० रेशमी पाण्डा मुखर्जी ने कहा कि डॉ० दयाराम मौर्य रत्न में अद्भुत सृजनशीलता है। उनके साहित्य से ही प्रभावित होकर मैंने उनके बहुविधा के साहित्य का परिश्रम से मूल्यांकन

डा0 रेशमी पाण्डा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते अतिथिगण।

किया। वे हिन्दी जगत के विरले साहित्यकारों में से एक हैं। अध्यक्षता कर रहीं छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर की डीन डॉ० गायत्री सिंह ने कहा कि डॉ०दयाराम मौर्य रत्न के साहित्य पर शोध आरंभ हो गया है। मुख्य अतिथि तंजाउर तमिलनाडु के तमिल-हिन्दी विद्वान डॉ०गोविन्दराजन ने कहा कि उत्तर भारत के हिन्दी साहित्यकारों में मैं सबसे अधिक डॉ० दयाराम मौर्य रत्न से प्रभावित हुआ हूँ।डॉ० रेशमी पाण्डा मुखर्जी ने उनके साहित्य का मूल्यांकन करके उसे जन-जन तक पहुंचाया है। अति विशिष्ट अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदा नन्द ने कहा कि डॉ० दयाराम मौर्य रत्न साहित्य के वास्तविक रत्न हैं। लोकार्पित ग्रंथ की लेखिका डॉ० रेशमी पाण्डा मुखर्जी को राष्ट्रीय साहित्य शिरोरत्न सम्मान से नवाजा गया। साहित्य भूषण सम्मान से विभूषित हरीलाल मिलन ने कहा कि डॉ० दयाराम मौर्य रत्न विलक्षण प्रतिभा के साहित्यकार हैं। यह दुर्भाग्य है कि प्रतापगढ़ या प्रदेश में उनके साहित्य की समीक्षा नहीं की गई। वक्ताओं में सौम्येन्द्र कुमार पाण्डा, डॉ० रामबोध पाण्डेय, डॉ०डी०पी०ओझा, नीरज कुमार सिंह, राजीव कुमार आर्य, राज नारायण शुक्ल, बीना श्रीवास्तव प्रमुख रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन ट्रस्टी आनंद मोहन ओझा ने किया। उपस्थित महानुभावों में एलायंस क्लब इंटरनेशनल के अन्तर्राष्ट्रीय निदेशक रोशनलाल ऊमर वैश्य,डॉ० शक्तिधरनाथ पाण्डेय,राजेश कुमार, रामसजीवन मौर्य, राधेश्याम मौर्य आदि प्रमुख रहे। काव्य पाठ करने वालों में अनिल कुमार निलय, श्रीनाथ मौर्य सरस, प्रेम कुमार त्रिपाठी प्रेम, कुंजबिहारी लाल मौर्य काकाश्री, अमरनाथ गुप्ता बेजोड़, डॉ०शाहिदा, शिवप्रकाश शरारती आदि प्रमुख रहे।

मांगों को लेकर प्रदर्शन करते एसयूसीआई पदाधिकारी।

अन्यायपूर्ण नीतियों तथा ज्वलंत मुद्दों समाधान के लिए उठाई मांग, एसयूसीआई ने किया प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। गुरुवार को सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर आफ इंडिया कम्युनिस्ट जिला कमेटी प्रतापगढ़ ने पट्टी तहसील गेट के सामने जुलूस निकालकर सरकार की अन्याय पूर्ण नीतियों का प्रदर्शन किया। राज्यपाल के नाम लिखे ज्ञापन को उपजिलाधिकारी पट्टी को सौंपा। इस दौरान यसयूसीआई के कई सदस्य व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पट्टी तहसील गेट के सामने दोपहर में एसयूसीआई सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ इंडिया कम्युनिस्ट के कार्यकर्ता इकट्ठे हुए। सरकार की बुलडोजर नीति के विरुद्ध जोरदार प्रदर्शन करते हुए जुलूस निकाला तथा सार्वजनिक क्षेत्रों के निजी करण का विरोध ,बढ़ती हुई बेरोजगारी ,सांस्कृतिक सौहार्द का बिगड़ता हुआ स्वरूप, झूठे मुकदमे में लोगों को फंसाने की साजिश, महिलाओं के प्रति बढ़ते हुए अत्याचार के विरुद्ध कार्यकताओं ने किया प्रदर्शन किया। पार्टी के राज्य सचिव पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि सरकार की अलोकतांत्रिक बुलडोजर नीति, बदहाल कानून व्यवस्था के खिलाफ खिलाफ प्रदर्शन किया गया है। राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर विभिन्न मांगों को पूरा करने की मांग उठाई। इस दौरान बेचन अली ,रामसमुझ मौर्य, विजय आनंद तिवारी ,प्रवीण विश्वकर्मा, रामकुमार यादव रामशरण उमाशंकर यादव बबलू आदि लोग मौजूद रहे।

हम करें राष्ट्र आराधन नाट्य मंचन कार्यक्रम में देर रात तक शहर के बुद्धिजीवी उठाए आनंद

जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, हरिप्रताप सिंह सहित शहर के जुटे थे गणमान्य लोग

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। हम करें राष्ट्र आराधन नाट्य मंचन कार्यक्रम का आयोजन नगर के किशोरी सदन में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह डॉक्टर सौरभ पांडेय और महंत मनोज ब्रह्मचारी, डा रवि श्रीवास्तव, प्रो बृज भानु सिंह, गोविंद खंडेलवाल रतन चंद्र जैन द्वारा किया गया। संचालन प्रभा शंकर पांडेय और संयोजन शिशिर खरे ने किया। डॉ सौरभ पांडेय ने कहा कि आज यह नाट्य प्रस्तुति जनमानस के मन में चल रहे प्रश्नों का समुचित उत्तर देने में सक्षम है। कार्यक्रम में सदर विधायक राजेंद्र मौर्य, जिला अधिकारी प्रतापगढ़ डॉ नितिन बंसल, पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष हरि प्रताप सिंह की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के संदर्भ में मंचन के साथ कार्यक्रम का आरंभ हुआ। इस कार्यक्रम में वर्ष 1925 से संघ की स्थापना को लेकर अनेक महत्वपूर्ण कार्यों में भागीदारी लेने का दृश्य दशार्या गया और यही कारण है कि संघ का विस्तार एक सामाजिक संगठन के रुप में आगे बढ़ा है। इस नाट्य मंचन का निर्माण अविनाश घॉघरेकर ने किया। आभार अशोक

नाट्य मंचन कार्यक्रम में मौजूद कलाकार व अतिथिगण।

तिवारी ने किया। संपूर्ण मंचन को इसकी निर्मात्री श्रीमती कंचन घंगरेकर, नृत्य निर्देशक अमोल मोनेवार, लाइट बाबा पदम, साउंड बंडू पदम, मेकअप आर्टिस्ट लालजी श्रीवास, मंच समन्वयक समीर थोगडे, व्यवस्थापक आसिफ अहमद और लेखक प्रस्तुतकर्ता श्री अविनाश घंगरेकर जो सुप्रसिद्ध चलचित्र निमार्ता हैं के द्वारा निष्पादित किया गया। इन सबके साथ में सशक्त अभिनय पक्ष के निर्वहन में डा हेडगेवार का अभिनय अभिषेक बेल्लरवाल, श्री गुरु जी का अभिनय अमोल तेलपांडे, महात्मा गांधी प्रशांत मंगदे, डॉ आंबेडकर अनिल कलमकर, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का अभिनय विलास कुबडे ने किया। सूत्रधार के रूप में अमीन सावरकर को विशेष तालियॉ मिली। कार्यक्रम का समापन पद्मश्री बाबा योगेंद्र, संस्थापक संस्कार भारती की 10 जून को 98 वर्ष की अवस्था में गोलोक गमन के कारण 2 मिनट के मौन के साथ हुआ। इस अवसर पर रमेश त्रिपाठी, चिंतामणि दुबे, हरिओम मिश्र, डॉ अखिलेश पाण्डेय,विनोद कुमार द्विवेदी,शीतांशु ओझा, गिरजा शंकर, डॉक्टर रंगनाथ शुक्ल, संजीव आहूजा, कार्तिकेय द्विवेदी,सत्य प्रकाश, गोविंद खंडेलवाल मौजूद रहे।

पुजारी ने पैसा न मिलने पर पूजा छोड़ी

परियावां, प्रतापगढ़। नवाबगंज थाने के मंदिर पुजारी पंडित राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा ने विगत 3-4 माह से पूजा पाठ का हर माह मिलने वाला पैसा न मिलने से मन्दिर की पूजा पाढ़ करना छोड़ दिया है। जनकारी करने पर पुजारी मिश्रा ने बताया कि पिछले 3-4 माह से थाने परिसर में बने शिव मंदिर का पूजन अर्चन का पैसा थानेदार के द्वारा पैसा न मिलने से पूजा पाठ बन्द कर दिया गया। ऐसे में बिना पूजा पाढ़ के मंदिर में भगवान को रहना पड़ रहा है। थाने में मन्दिर की पूजा पाढ़ के लिए लगभग ग्यारह सौ रुपया मिलता था जिसे कोई दरोगा देने को तैयार नही है इसलिये पूजन अर्चन बन्द कर दिया।

एंबुलेंस में गूंजी किलकारी, जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ्य

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालाकाकर के अंतर्गत बरई का पुरवा गांव में बुधवार को मनीषा देवी पत्नी अरुण कुमार यादव (25) वर्षीय को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई तभी आशा शकुंतला देवी ने लगभग 7 बजे शाम को 102 एम्बुलेंस पर फोन किया जो यूपी 41 जी 3602 बरई का पुरवा गांव पहुंची और मनीषा देवी को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालाकाकर के लिए रवाना हुई। रास्ते में मनीषा देवी प्रसव पीड़ा असहनीय हुई तो इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन धर्मेंद्र कुमार यादव ने पायलट राम प्रसाद की मदद से एंबुलेंस में सुरक्षित प्रसव कराया प्रसव कराने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालाकाकर में भर्ती कराया गया जहां पर जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। मनीषा के परिजनों ने एंबुलेंस टीम को धन्यवाद देते हुए प्रशंसा किया।

सण्डवा चण्डिका ब्लाक में 26 जोडे.हुए एक दूसरे के

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारी वर्षा में आज मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में भारी व्यवधान आने के बावजूद हाल में बैठकर सामूहिक विवाह कराया गया। सण्डवा चण्डिका ब्लाक में सामूहिक विवाह की तैयारी जोर-शोर से की गई लेकिन वर्षा से सजावट वर्षा की भेंट चढ़ गई। ब्लाक के सभागार में 28 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया गया। इसमें छह जोड़ों का विवाह नगर पालिका द्वारा कराया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सदर विधायक राजेन्द्र मौर्य ने किया। इस मौके पर नगर पालिका के एसके सिंह, लाल बहादुर सिंह, वरुण कुमार सिह, कुलदीप सिंह, शशांक श्रीवास्तव भी थे। कार्यक्रम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी महेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे।

डा0 मुखर्जी स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व ही भारत विभाजन के खिलाफ थे: हरिओम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर एक गोष्ठी का आयोजन भाजपा कार्यालय पर किया गया जिसका संचालन जिला उपाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने किया मुख्य अतिथि नागेंद्र रघुवंशी जिला प्रभारी रहे और अध्यक्षता हरिओम मिश्र ने किया।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए नागेंद्र रघुवंशी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को भारतीय संविधान के अंतर्गत लाने के तीन वर्ष पूरे होने को हैं। जम्मू-कश्मीर को भारतीय संविधान के दायरे में लाने और देश में औद्योगिक विकास की राह तैयार करने में डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हरिओम मिश्र जिलाध्यक्ष भाजपा ने कहा कि डा. मुखर्जी स्वतंत्रता प्राप्ति से पूर्व ही भारत विभाजन के खिलाफ थे और उन्होंने संविधान सभा की बैठकों में भी अपने विचारों को काफी प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत किया था। गोष्ठी में प्रमुख रूप से निवर्तमान जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी महामंत्री आशीष श्रीवास्तव राजेश सिंह पवन गौतम, अशोक सरोज जिला उपाध्यक्ष सतीश चैरसिया पंकज सिंह देवेश त्रिपाठी गजराज सिंह रजत सक्सेना विद्यासागर शुक्ला टिशू शुक्ला नवीन सिंह,पूनम इंसान, राघवेंद्र शुक्ला अशोक मिश्रा रुचि केशरवानी सुशीला सरोज छोटे सरकार विजय मिश्रा रामजी मिश्र पंकज मिश्र गुड्डू पांडे सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

बारियावा में अवैध शराब भट्टी संचालक पर मेहरबान सिपाही

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के बारियावा पुलिस चौकी अन्तर्गत बारियावा गांव में रास्ते की जमीन पर कब्जे की शिकायत के बाद गांव में शराब भट्टी का संचालन करने वाले का नाम खुलकर सामने आ गया अवैध शराब भट्टी संचालन करने वाले का पुलिस चौकी के सिपाही से सांठगांठ का भी आरोप भट्टी संचालक के परिजनों ने लगाया शराब भट्टी संचालक के कारनामे की शिकायत पुलिस से किए जाने के बाद इस बात की जानकारी भट्टी संचालक तकप पहुंच गई और भट्टी संचालक ने अपने भाई शिव भूषण की पुत्रवधू के साथ बुधवार की देर शाम गाली गलौज कर कहा कि अवैध शराब भट्टी संचालन की तुमने पुलिस से मेरी शिकायत की है मामला तूल पकड़ चुका है लेकिन उसके बाद भी शराब भट्टी संचालक को बल देने वाले सिपाही पर पुलिस अधिकारियों ने अभी तक निलंबन की कार्यवाही नहीं की है वहीं अवैध शराब भट्टी संचालक के ऊपर अभी तक मुकदमा नहीं दर्ज किया गया है इस मामले में चौकी इंचार्ज की भी भूमिका सवालों के घेरे में है और बार-बार वह दोषी सिपाही को बचाने का प्रयास कर रहे हैं बताते चलें कि बरियावां गांव की रामकली के घर के सामने रास्ते की जमीन पर शराब की अवैध भट्टी संचालन करने वाले के द्वारा पिलर बना कर कब्जा किया जा रहा था जिस पर रामकली देवी ने मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए भट्टी संचालक की परत दर परत कहानी खोल दी है।

बैंक गेट पर ग्राहक से 80 हजार लूट कर फरार हुए बाइक सवार

बैंक के बाहर नहीं लगा सीसीटीवी कैमरा, सोते रहे ड्यूटी पर सिपाही लुट गया बैंक ग्राहक

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के चरवा स्थित बैंक से पैसा निकाल कर बैंक के बाहर निकले बैंक ग्राहक से बाइक सवार तीन युवकों ने 80 हजार रुपए छीन लिया है और रुपए छीनने के बाद बाइक सवार युवक भरवारी की तरफ फरार हो गए हैं बैंक की सुरक्षा की ड्यूटी में लगे पुलिस कर्मी सोते रहे बैंक के बाहर सीसीटीवी कैमरा भी नहीं लगा है जिससे लुटेरों का सुराग लगाने में पुलिस को कठिनाई हो रही है सूचना पाकर अपर पुलिस अधीक्षक क्षेत्राधिकारी समेत घटनास्थल पर चरवा पुलिस पहुंची है और पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है लेकिन लुटेरे पुलिस की पकड़ में नहीं आ सके हैं।

घटनाक्रम के मुताबिक ज्ञान देव पुत्र स्वर्गीय पराग नारायण निवासी सझिया थाना चरवा गुरुवार को अपने बेटे गुलशन पांडेय के बैंक खाते की चेक लेकर बड़ौदा ग्रामीण बैंक चरवा रुपए निकालने आए थे लगभग 3:00 बजे वह बैंक से 80 हजार रुपए निकालकर बैंक के बाहर निकले और बैंक के सामने खड़ी साईकिल का ताला खोल रहे थे तभी बाईक सवार 3 युवक बाइक से उतरे और साइकिल का ताला खोल रहे ज्ञान देव के जेब में रक्खे 80 हजार रूपए छीन लिया बैंक ग्राहक ने हो-हल्ला मचाया आसपास के लोग एकत्रित हो गए बैंक सुरक्षा की ड्यूटी में लगे सिपाही हो हल्ला सुनकर नींद से जागे मामले की सूचना पुलिस को दी गई मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक क्षेत्राधिकारी चायल समेत थाना पुलिस घटनास्थल पर पुलिस पहुंची लेकिन तब तक बैंक ग्राहक से लूट करने वाले बाइक सवार लुटेरे भरवारी की तरफ फरार हो गए आनन-फानन में लूट के खुलासे के लिए जांच टीम गठित कर दी गई है मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है लेकिन सवाल उठता है कि बैंक सुरक्षा में लगाए गए सिपाही बैंक गेट पर क्या कर रहे थे गेट पर बैंक ग्राहक का लुट जाना ड्यूटी पर लगे सिपाहियों की निष्ठा पर बड़े सवाल खड़े कर रहे हैं।

लूट की सूचना पर घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस अधिकारी और मौके पर लगी भीड़

बाइक सवारों ने सोने की अंगूठी और नगदी छीना

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली के शमशाबाद पुलिस चौकी अंतर्गत मलाक पिंजरी नहर के पास बाइक सवार युवक से तीन युवकों ने तमंचा सटाकर सोने की अंगूठी और नकदी छीन लिया है विरोध करने पर युवक के साथ मारपीट की गई है मामले की सूचना पीड़ित ने स्थानीय चौकी पुलिस शमसाबाद को दिया है लेकिन

लुटेरों को गिरफ्तार करने के बजाय पीड़ित को चौकी पुलिस ने डांट कर भगाया

कार्रवाई नहीं हुई जिस पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है। घटनाक्रम के मुताबिक मंझनपुर कोतवाली के शमशाबाद डड़यचा पर गांव निवासी अजय कुमार मौर्या पुत्र किशनलाल 22 जून की रात्रि 8:00 बजे करनपुर सौराई से अपनी दुकान दुबरा जा रहे थे जैसे ही अजय कुमार मलाक पिंजरी नहर के पास पहुंचे सड़क पर 3 युवक बाइक लेकर खड़े थे अजय कुमार का कहना है कि तीनों ने तमंचा लगाकर उन्हें रोक लिया है और मारपीट कर सोने की अंगूठी और दो हजार रुपए छीन लिया है।

न्यूज झरोखा

चोरी की बाइक और उपकरण के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना सैनी पुलिस बल द्वारा करनपुर शमशाबाद मार्ग से अभियुक्त दानिश पुत्र हफीजुल्लाह निवासी ग्राम करनपुर सौरई थाना सैनी को एक अदद चोरी की मोटरसाइकिल कूटरचित कागजात व नम्बर प्लेट तथा दो अदद मोटर साइकिल कटी हुई पार्ट्स सहित दो बोरो के साथ गिरफ्तार कर बरामदगी के आधार पर थाना सैनी पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेज दिया है।

तमंचा कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत थाना करारी पुलिस बल द्वारा हिसामपुर नहर पुलिया से अभियुक्त रामसुमेर पुत्र घनश्याम निवासी जमदुआ थाना करारी को एक अदद तमंचा 315 बोर व एक अदद जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

आम आदमी पार्टी के नेता विष्णु जयसवाल करेंगे अनशन

कौशाम्बी। सिराथू विधानसभा के विगत चुनाव में आम आदमी पार्टी से प्रत्याशी रह चुके विष्णु कुमार जयसवाल,(बाबाजी) द्वारा एक दिवसीय अनशन किया जाएगा श्री जायसवाल द्वारा बताया गया कि भ्रष्टाचार के कारण अन्याय की व्यवस्था आज पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है जिम्मेदार अधिकतर अधिकारी भ्रष्ट व्यवस्था और जनता के शोषण को अपना जन्म सिद्ध अधिकार बना लिया है इसी मुद्दों से व्यथित होकर मैंने भ्रष्टाचार और अन्याय के खिलाफ जिला मुख्यालय पर अनशन कर रहा हूं जिसकी लिखित सूचना जिला प्रशासन को तीन बार दी जा चुकी है लेकिन प्रशासन द्वारा लिखित कोई सूचना हमें उपलब्ध नहीं कराई गई उन्होंने बताया कि संविधान हमें शांति पूर्वक लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अनशन की इजाजत देता है और उसी प्रक्रिया के तहत हमारा अनशन होगा अगर प्रशासन को किसी प्रकार की दिक्कत होती तो हमें लिखित रूप से दिक्कतों को दशार्ते हुए अवगत कराता तो हम यह अनशन टाल देते। भ्रष्टाचार इतना ज्यादा हावी है कि आम नागरिक न्याय के लिए अधिकतर सरकारी विभागों के चक्कर काटते काटते न्याय भ्रष्टाचारियों का शिकार होकर दबा जा रहा है और अन्याय हावी हो रहा है आम जनमानस न्याय के लिए आम आदमी पार्टी की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहा है जिला मुख्यालय पर तीसरी बार अनशन के संबंध में लिखित जानकारी देते समय विष्णु कुमार के साध पार्टी नेता सूरज बली शाक्य अधिवक्ता विमल कुमार अधिवक्ता दीपेंद्र कुमार, आदि पार्टी नेता उपस्थिति रहे।

चेकिंग के दौरान 101 वाहनों का हुआ ईचालान

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थाना पुलिस द्वारा व यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिसमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 101 वाहनों का ई चालान किया गया व एक वाहन का चालान कर 500 रुपये सम्मन शुल्क वसूला गया

निरोधात्मक कार्यवाही में 28 अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में थाना करारी से पांच थाना पश्चिम शरीरा से तीन थाना कौशांबी से दो थाना मझनपुर से दो थाना सरायअकिल से तीन थाना कोखराज से छः थाना पिपरी से एक थाना कड़ाधाम से छः कुल 28 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान न्यायालय कर दिया है।

खड़े ट्रेलर से भिड़ी रोडवेज बस दो दर्जन यात्री लहूलुहान

कानपुर से मिजार्पुर जा रही रोडवेज बस में सवार थी 4 दर्जन से अधिक सवारी

अखंड भारत संदेश

कोखराज कौशाम्बी। कानपुर से मिजार्पुर जा रही रोडवेज बस के चालक की लापरवाही से दो दर्जन सवारिया दुर्घटनाग्रस्त हो गई है बस के दुर्घटनाग्रस्त होते ही चीख-पुकार मच गई हो हल्ला सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे हैं मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दिया है मौके पर पहुँची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है जहां 3 मरीजों की हालत गंभीर बताई जाती है मामले की सूचना घायलों के परिजनों को दी गई है।

घटनाक्रम के मुताबिक कानपुर से मिजार्पुर जा रही रोडवेज बस कोखराज थाना क्षेत्र के ककोढा गांव के पेट्रोल पंप के पास बुधवार की रात्रि 9.30 बजे सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गई हादसे में बस में सवार दो दर्जन सवारियां लहूलुहान हो गयी बस के दुर्घटनाग्रस्त होते ही सवारियों में चीख पुकार मच गई आसपास के ग्रामीणों ने जब बस में चीख पुकार की आवाज सुनी तो घटनास्थल पर पहुंचे बस के शीशे को तोड़कर घायलों को बाहर निकाला मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही कोखराज थानेदार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे हैं और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है हादसे में तीन सवारी की हालत गंभीर बतायी जा रही हैं बताया जाता है कि बस चालक का पैर टूट गया है बस की अन्य सवारियों को अन्य वाहनों में बैठाकर पुलिस ने उनके गंतव्य के लिए रवाना किया है बताया जाता है कि गनपा गांव में तैनात लेखपाल अचल सिंह कुशवाहा भी इसी बस में सवार होकर प्रयागराज आ रहे थे हादसे में उनको भी गंभीर चोटें आई हैं।

बस हादसे के बाद बचाव एवं राहत कार्य करते ग्रामीण

सड़क हादसे में साइकिल सवार घायल इलाज के दौरान मौत

कौशाम्बी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के कादीपुर गांव के पास साइकिल सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया घायल साइकिल सवार को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों से उसे रेफर कर दिया निजी नर्सिंग होम में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। घटनाक्रम के मुताबिक साइकिल सवार इंद्रपाल उम्र 50 वर्ष पुत्र गोकुल निवासी तकीपुर कोखराज को कादीपुर के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर घायल हो गया सड़क हादसे में घायल साइकिल सवार को इलाज हेतु एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने उसे रेफर कर दिया प्राइवेट अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।मौत की सूचना पर परिजनो में कोहराम मच गया।

रास्ते की जमीन पर होमगार्ड के निर्माण के विरोध में गरजे ग्रामीण

कौशांबी। जनपद मुख्यालय से सटे सिराथू तहसील के ग्रामसभा भाडेसर गांव के मजरा बारइन के पुरवा में ग्रामीणों के आने-जाने के रास्ते पर होमगार्ड का एक जवान जबरिया निर्माण कर के रास्ते की जमीन पर कब्जा कर रहा है जिस पर गांव के दर्जनों लोग जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचे हैं और मामले में शिकायती पत्र देकर जिलाधिकारी से रास्ते की जमीन पर होमगार्ड के कब्जे को रोकने की मांग की है गांव के देवराज कामता प्रसाद सूरजपाल प्रदीप पाल धर्मपाल ज्ञान सिंह मान सिंह सहित तमाम लोगों ने डीएम कार्यालय में बताया कि होमगार्ड के रास्ता कब्जा कर लेने से बारिश का पानी लोगों के घरों में घुस जाएगा और गांव से आने जाने का रास्ता बन्द हो जाएगा ग्रामीणों ने होमगार्ड के अवैध निर्माण पर रोक लगाने और रास्ते को खाली कराने की मांग की है।

हिस्ट्रीशीटर के पैर में लगी गोली साजिश की आ रही बू ...

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के मितवा पुर गांव के रहने वाले केशन लाल पुत्र जग्गी लाल थाना क्षेत्र के हिस्ट्रीशीटर है इनके ऊपर हत्या चोरी डकैती के कई मुकदमा अदालत में विचाराधीन है कई मामलों में इन्होंने वादी और गवाहों को सुलह समझौता और बयान बदलने का दबाव बनाया था जिस पर वादी और गवाह बयान बदलने को तैयार नहीं हुए अचानक गुरुवार की सुबह हिस्ट्रीशीटर केशन लाल के पैर में गोली लगने की चर्चा हो रही है हिस्ट्रीशीटर ने पुलिस को नामजद तहरीर दी है और बताया जाता है कि इलाज के लिए हिस्ट्रीशीटर को अस्पताल में भर्ती कराया है पुलिस मामले में जांच कर रही है आला अधिकारियों को हिस्ट्रीशीटर के पैर में गोली लगने के

घटना में पुलिस के आला अधिकारियों को स्वयं मानिटरिंग करते हुए सच्चाई को उजागर किए जाने की जरूरत

मामले की सूक्ष्म जांच कराए जाने की जरूरत है वरना वादी और गवाहों पर दबाव बनाकर किसी बड़े अपराध की घटना से हिस्ट्रीशीटर अदालत से दंड पाने से बच सकता है कहीं हिस्ट्रीशीटर ने गवाह और वादी को बयान बदलने के लिए दबाव बनाने की गरज से नाटक तो नहीं शुरू किया है पुलिस को इस मामले में भी सूक्ष्म जांच किए जाने की जरूरत है यदि किसी ने हिस्ट्रीशीटर को गोली मारी है तो उस पर मुकदमा दर्ज करा कर उसकी गिरफ्तारी भी कराया जाना जरूरत है इस घटना में पुलिस के आला अधिकारियों को स्वयं मानिटरिंग करते हुए सच्चाई को उजागर किए जाने की जरूरत है।

शतचंडी महा यज्ञ श्री मद भागवत कथा का आयोजन

कौशांबी। सिराथू तहसील के मसुरियन माता मंदिर सेलरहा पश्चिम में सत चंडी महा यज्ञ और श्री मद भागवत कथा राष्ट्रीय भागवत प्रवक्ता आचार्य श्री नंद जी महराज के मुखारविंद से 23 जून से 30 जून तक आयोजित है 23 जून को भव्य कलश यात्रा मसुरियन माता मंदिर सेलरहा पश्चिम से शुरू होकर सेलरहा पश्चिम सेलरहा पूरब चक खोदाय गंज मलकिया से होकर मसुरियन माता मंदिर सेलरहा पश्चिम में भव्य यज्ञ मंडप में कलश स्थापना होगी यह भव्य धार्मिक कार्य क्रम सात दिन लगातार होगा सुबह 8 बजे से 12 बजे तक सत चंडी पाठ हवन एवं 3 बजे से शाम सात बजे तक श्री मद भागवत कथा राष्ट्रीय भागवत प्रवक्ता आचार्य श्री नंद जी महराज के मुखारविंद से होगा 30 जून को हवन पूजन तथा उसी दिन विशाल साधु-सन्तों भक्त गणों का भंडारा होगा अयोजक राजेन्द्र दास महराज कृपा पात्र स्वराजी बाबा महराज जी ने समस्त माता भक्त गणों से इस भव्य धार्मिक अयोजन में प्रति दिन यज्ञ कथा में सम्मिलित होंने की अपील करते हुए आयोजन को सफल बनाने की की कामना लोगों से की है।

योगीराज में सपा विधायक के गुर्गे गुंडई पर उतारू

कौशाम्बी। अपने को कौशांबी वासियों की बहू बताने वाली समाजवादी पार्टी के विधायक के गुर्गो की गुंडई शुरू हो गई है विधायक के गुर्गों को प्रदेश में योगी सरकार और उनके अधिकारियों का तनिक भय नहीं है दिनदहाड़े गरीबों की जमीनों पर सपा विधायक के गुर्गे गरीब कमजोर मजलूम की भूमिधरी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं कौशांबी में भी सपा विधायक के गुर्गे अतीक मुख्तार अंसारी बनने की मंशा रखने लगे हैं लेकिन समाजवादी पार्टी के विधायक के गुर्गों पर अभी तक योगी की पुलिस ने कार्यवाही नहीं की है जिससे पुलिसिया मंशा पर भी सवाल उठने लगे हैं ताजा मामला सिराथू तहसील क्षेत्र के कड़ा धाम कोतवाली के कमालपुर गांव के मजरा रौजेसेफ खाँ गडरिया के पुरवा का है। पीड़ित बृद्ध महिला दोनों आंख से अंधी है पति की मौत के बाद महिला अपने मायके हरचंदपुर खखरेरू में रहने लगी जिसका फायदा गांव के कुछ दबंगों ने उठाया दबंग विधायक के खासम खास

दोनों आंख से अंधी वृद्ध महिला की जमीन मकान पर जबरिया कब्जा करने वाले गुंडों पर पुलिस नहीं कर सकी कार्यवाही

बताए जाते हैं ओर विधानसभा चुनाव में जमकर विधायक के समर्थन में प्रचार किया था यह विधायक अपने को कौशांबी की बहू बताती है विधायक के प्रचार का हिसाब उनके गुर्गे गरीब कमजोर मजलूम की जमीन छीन कर वसूलना चाहते हैं दोनों आंख से अंधी महिला खुशीर्दा बेगम पति की मौत होने के बाद अपने मायके में रहने लगी है जिसका फायदा उठाते हुए उसकी जमीन और मकान पर गांव के शारदा पटेल भैया लाल पटेल आदि लोगों ने जबरिया कब्जा कर लिया महिला न्याय के लिए कड़ा धाम थाना का चक्कर लगा रही है लेकिन उसे न्याय नहीं मिला है जिस पर महिला डीएम की चौखट पर पहुंची है और सपा के गुंडों की करतूत बता कर न्याय की मांग की है।

फाइलेरिया से बचाव की दवा सेवन करने से कोई न रहे वंचित : सीएमओ

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) और ग्लोबल हेल्थ टास्क फोर्स की टीम ने जनपद के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के साथ ही स्वास्थ्य इकाइयों का दो दिवसीय भ्रमण किया। इस दौरान टीम ने फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर किये जा रहे प्रयासों को परखा और फाइलेरिया मरीजों से बात कर उनके सामने आ रहीं चुनौतियों को भी समझा । टीम ने फाइलेरिया उन्मूलन अभियान को लेकर स्वास्थ्य विभाग, फ्रंटलाइन वर्कर और सहयोगी संस्थाओं के प्रयासों को सराहा और कहा कि फाइलेरिया से बचाव के लिए दवा का सेवन सभी करें, इसे सुनिश्चित करने में अभी और प्रयास करने की जरूरत है। आईडीए राउंड के दौरान दवा का सेवन न करने वालों की सूची बनाकर उनको इसकी अहमियत समझाकर दवा सेवन कराने के प्रयास किए जाएं बीएमजीएफ के नेगलेक्टेड ट्रापिकल डिजीज (एनटीडी) उन्मूलनकार्यक्रम के कंट्री लीड इण्डिया डॉ. भूपेन्द्र त्रिपाठी ने जनपद में अभी हाल में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत चलाये गए आईडीए राउंड के बारे में पूरी जानकारी हासिल की। उन्होंने कहा कि दवा सेवन न करने वालों को दो श्रेणी में विभाजित करने की जरूरत है, पहली श्रेणी में उन लोगों को रखा जाए जो काम-धंधे के सिलसिले में शहर से बाहर हैं और दूसरी श्रेणी मेंउनको रखा जाए जो दिनभर काम-धंधे के कारण घर से बाहर रहते हैं और शाम को लौट आते हैं । इसी के आधार पर जो शाम को घर लौट आते हैं उनको फाइलेरिया से बचाव की दवा खिलाना सुनिश्चित कर कवरेज को बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा टीम ने आईडीए राउंड के लिए दिए गए प्रशिक्षण और तैयार किये गए माइक्रोप्लान की सराहना की उन्होंने कहा कि इसी सक्रियता से काम चलता रहा तो जनपद जल्द ही फाइलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल कर लेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. के सी राय ने बताया कि पहले दिन टीम ने मंझनपुर के भेलखा और अम्बावा पुरव गाँव पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की, जहाँ दवा सेवन को लेकर सहयोगी संस्था पी.सी.आई, डब्लू.एच.ओ व पाथ ने सराहनीय कार्य किया था । टीम ने कनेली के बैगमा गाँव भी पहुंची जहाँ पर उन्होंने आशा कार्यकर्ता के साथ गाँव में भ्रमण किया और रजिस्टर के अनुसार ही फील्ड का काम देखकर संतुष्टि जताई । परिवार रजिस्टर में दर्ज जानकारी को सटीक पाए जाने पर आशा के काम की सराहना की । भ्रमण के अंतिम दिन जिलाधिकारी से मिलकर फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में उनके कुशल नेतृत्व के लिए शुभकामनाएं दीं और धन्यवाद ज्ञापित किय इस मौके पर बीएमजीएफ प्रतिनिधि के अलावा अमेरिका के अटलांटा से वैश्विकस्वास्थ्य के लिए टास्क फोर्स के निदेशक डॉ पैट्रिक लैमी और विश्व स्वास्थ्य संगठन, पाथ, प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशनल (पीसीआई) के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लायेगा परिवार नियोजन

बास्केट ऑफ चॉइस देती है परिवार नियोजन के कारगर विकल्प

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। बास्केट ऑफ च्वाइस में परिवार नियोजन के लिए नौ साधनों को शामिल किया गया है। इस बारे में उचित सलाह के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक, परिवार नियोजन काउंसलर, आशा कार्यकर्ता और एएनएम की मदद ली जा सकती है । इससे समाज में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने और बेहतर मातृत्व स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि शादी के दो साल बाद ही पहले बच्चे के जन्म की योजना बनायी जाए और दूसरे बच्चे के जन्म में कम से कम तीन साल का अंतर जरूर रखा जाए। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने बहुत कारगर और सुरक्षित साधनों से युक्त बास्केट ऑफ च्वाइस मुहैया करा रखी है। इसके लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि किसको, कब और कौन सा साधन अपनाना श्रेयस्कर होगा। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (आरसीएच) डॉ० एस०के० झा का कहना है कि जिले में 206 स्वास्थ्य इकाइयों पर परिवार नियोजन काउंसलर व कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) एएनएम, स्टाफ नर्स की मदद से बॉस्केट ऑफ च्वाइस के बारे में लाभार्थी की स्थिति के अनुसार सही परामर्श दिया जाता है । प्रत्येक माह की 21 तारीख को आयोजित होने वाले खुशहाल परिवार दिवस, प्रत्येक सोमवार को आयोजित होने वाले अंतराल दिवस एवं प्रत्येक माह की नौ तारीख को आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान दिवस पर भी इस बारे में जानकारी दी जाती है पुरुष और महिला नसबंदी आईयूसीडी पीपीआईयूसीडी त्रैमासिक अंतरा इंजेक्शन माला एन कंडोम, छाया और ईसीपी की गोलियां बॉस्केट ऑफ च्वाइस का हिस्सा हैं। सलमा (बदला हुआ नाम) 25 वर्षीया निवासी सकाड़ा मूरत गंज कौशाम्बी बताती हैं कि परिवार को नियोजित रखने के लिए वो अंतरा इंजेक्शन को अपनाती हैं इसी क्रम में उन्होंने अंतरा का तीसरा डोज लगवाया हैं उन्होंने बताया कि उनके तीन बच्चे हैं उन्होंने बताया कि अंतरा अपनाने में बहुत सरल हैं और इससे मुझे कोई परेशानी भी नहीं हुई हैं` डॉ सुनील बताते हैं कि परिवार नियोजन का साधन हर लाभार्थी अपनी जरूरत और पसंद के हिसाब से अपनाता है, लेकिन काउंसलर और चिकित्सकों को दिशा-निर्देश है कि वह लाभार्थी के उन पहलुओं की भी जानकारी जुटाएं जिनमें कोई साधन विशेष उनके लिए उपयुक्त है या नहीं।

परिवार नियोजन में जिले की स्थिति

कौशाम्बी। जिला परिवार नियोजन एवं सामग्री प्रबंधक देव प्रकाश यादव ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में पुरुष नसबंदी - 77, महिला नसबंदी 4065, आईयूसीडी - 4735, पीपीआईयूसीडी-12857, त्रैमासिक अंतरा इंजेक्शन - 8302, माला एन - , कंडोम - 593729, छाया झ40021 और ईसीपी - 16738 के लाभार्थी जिले में परिवार नियोजन सेवा प्राप्त करने के लिए आगे आए हैं।

आम रास्ते पर दबंगों का कब्जा

कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील के पूरब पश्चिम शरीरा नगर पंचायत के ग्राम दुर्गा सिंह का डेरा की जीएस नवीन पर्ती की जमीन पर आठ माह पहले अवैध कब्जा किया जा रहा था जिस पर एस डी एम के आदेश पर उस जमीन की बावंड्री को लेखपाल और ईओ थाना अध्यक्ष की मौजूदगी में गिरवाई गयी थी और रास्ते को सीधा करवाया गया था गांव के ही दबंग ने उस रास्ते में पुनः बावड्री खड़ी कर लिया हैं कोई कहता है तो दबंग लोग गांव वालों को गाली गलौज करते हैं दबंगों का इस कदर हौसला बुलंद है अधिकारियों की कार्यवाही के बाद भी उन्हें अधिकारियों के आदेशों की परवाह नहीं है ग्रामीणों ने फिर से अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया है।

दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना सैनी पुलिस बल द्वारा दो वांछित अभियुक्त रामू उर्फ मेडी लाल व नरेश उर्फ लिदी पुत्र मक्खन लाल निवासी कोरियो थाना सैनी को मुखबिर की सूचना पर कोरियो पुल से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तो को न्यायालय भेज दिया है।

सांसद निधि से लगे सौर ऊर्जा से गांव में नहीं फैला प्रकाश

अखंड भारत संदेश

सांसद निधि से कराए जा रहे कार्यों पर ठेकेदार और अधिकारियों की संलिप्तता से हो रही हेराफेरी

कौशाम्बी। योगीराज में किस तरह से भ्रष्टाचार पनप रहा है कि भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की बड़ी-बड़ी बात करने वाले अधिकारियों को भ्रष्टाचार रोकने का समय नहीं है जिधर देखो उधर भ्रष्टाचार की जड़ें गहरी होती जा रही है केंद्र सरकार गांव गरीब की जनता की सुख सुविधाओं और उनके विकास के लिए सांसद के जरिए निधि दे रही है लेकिन सांसद निधि भी आम जनता गरीब कमजोर के उपयोग में आने के पहले ही बर्बाद होती दिख रही है अब सांसद निधि से कराए गए विकास में कहां झोल है यह तो जांच का विषय है लेकिन ताजा मामला मंझनपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत सेवकुपुर का है जहां सांसद निधि से 6 महीने पूर्व सौर ऊर्जा लाइट लगाई गई थी जिसमें सांसद निधि की लाखों की रकम खर्च हुई है लेकिन गांव वालों को सांसद निधि की सौर ऊर्जा लाइट से प्रकाश नहीं मिल सका कुछ महीने बाद सौर ऊर्जा लाइट ने प्रकाश देना बंद कर दिया फिर गांव के लोग अंधेरे में हो गए हैं। यह अकेला एक गांव नहीं है जिले के तमाम गांव में सांसद निधि से सौर ऊर्जा लगाए गए हैं लेकिन किसी भी गांव में ग्रामीणों को प्रकाश की व्यवस्था सही तरीके से नहीं मिल पा रही है आखिर सांसद निधि से लगाए जाने वाले सौर ऊर्जा लाइट में कहां झोल है इस बात की चर्चा गांव की जनता खुलेआम कर रही है। आखिर घटिया क्वालिटी के सौर ऊर्जा लाइट लगाने वाले ठेकेदारों पर कार्रवाई करने का साहस अधिकारी क्यों नहीं कर पा रहे हैं केंद्र सरकार से मिलने वाली निधि से होने वाले विकास कार्यों में गड़बड़ी होने के बाद अभी तक सांसद ने दोषियों पर कार्यवाही करने के लिए आला अधिकारियों को पत्र क्यों नहीं लिखा है यह तमाम सवाल का जवाब जनता चाहती है लेकिन सांसद निधि से लगाए गए सौर ऊर्जा लाइट में धांधली के मामले में सांसद ने भी अभी तक अपनी जुबान नहीं खोली है क्षेत्र की जनता ने केंद्र की मोदी सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सांसद निधि योजना में हेराफेरी करने वाले ठेकेदारों पर मुकदमा दर्ज कराकर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

गर्मियों में धूप से ऐसे करें त्वचा का बचाव, इन चीजों से मिलेगी चेहरे को ठंडक!

गर्मियों की चिलचिलाती धूप में बाहर निकलने से त्वचा पर टैनिग हो जाती है, जिससे हमारी खूबसूरती पर बुरा असर होता है। दरअसल, गर्मियों में तापमान इतना ज्यादा होता है कि चेहरे की फ्रेशनेश और सुंदरता कम होने लगती है। इसके अलावा त्वचा बेजान, रूखी होने के अलावा मुहांसे और दाग-धब्बों जैसी समस्याओं से ग्रस्त हो जाती है। वहीं, ऑयली स्किन वाले लोगों इस मौसम में ज्यादा समस्या का सामना करना पड़ता है। इसलिए गर्मियों में त्वचा ख्याल रखना बेहद जरूरी है।आज हम आपके लिए गर्मियों की कुछ ऐसी टिप्स लेकर आएं हैं जिन्हें अपनाकर आप अपनी खूबसूरती को बरकरार कर सकते हैं। ये टिप्स हर तरह की त्वचा वाले लोगों के लिए फायदेमंद हो सकती हैं। इन टिप्स को आप अपने डेली रूटीन में शामिल कर सकते हैं, जिससे आपकी त्वचा दिनभर फ्रेश रह सकती है। आइए आपको गर्मियों के दौरान त्वचा की देखभाल करने के टिप्स और किन चीजों से चेहरे को ठंडक मिल सकती है बताते हैं...

गर्मियों में ऐसे करें त्वचा की देखभाल

- गर्मियों में सूरज की किरणों से त्वचा का बचाव करने के लिए सनक्रीम लगाना चाहिए। इसके अलावा छाता लेकर चलें या टोपी पहनें। हो सके तो दोपहर के 12 से 3 बजे तक घर के बाहर निकलने से बचे और अगर इस समय ही बाहर निकलना पड़ता है तो त्वचा पर सनक्रीम जरूर लगाएं।
- शाम के समय चेहरे पर कुछ समय तक बर्फ का टुकड़ा रखें। इससे त्वचा को ठंडक मिलेगी साथ ही सनबर्न से हुए हानि से राहत मिल सकेगी।
- बार-बार चेहरे को ठंडे या नोर्मल पानी वॉश करें। इससे त्वचा पर सनबर्न के नुकसान को कम किया जा सकता है।
- हफ्ते में एक बार चेहरे पर उबटन जरूर लगाएं। इससे त्वचा पर निखार आने के साथ सनबर्न के नुकसान से राहत मिलेगी।

ऐसे मिलेगी त्वचा को ठंडक

1. कूलिंग फेस पैक- त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि गर्मियों में त्वचा पर जलन या टैनिग की समस्या होना आम बात है। इससे राहत पाने के लिए आप कूलिंग फेसपैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस बनाने के लिए टमाटर को पिसकर उसमें शहद मिक्स कर लें। इस पेस्ट को 10 मिनट के लिए चेहरे पर लगाकर छोड़ दें। ऑयली स्किन के कारण चेहरे से तेल निकलने की समस्या पर आप थोड़ा बेसन भी पेस्ट में मिलाकर लगा सकते हैं।2. फेस मिस्ट- गर्मियों में अपनी त्वचा पर फेस मिस्ट जरूर लगाएं। त्वचा विशेषज्ञों का कहना है कि फेस मिस्ट से त्वचा हाइड्रेट रहती है, जिससे चेहरा फ्रेश रहता है और डलनेस दूर होती है। इसे बनाने के लिए एक लीटर पानी में गुलाब की पंखुड़ियां डालें और उसे आधे पानी होने तक उबाल लें। गैस बंद करने के बाद इस पानी को रातभर ऐसे ही छोड़ दें। फिर सुबह इसे किसी स्प्रे की बोतल में छानकर डालकर इस्तेमाल कर सकते हैं। घर के बाहर या ऑफिस के दौरान भी इस फेस मिस्ट को आप इस्तेमाल कर सकते हैं।
3. आलू का आइस क्यूब- गर्मियों में त्वचा पर टैनिग हो जाती है जिसे हटाने के लिए आलू आइस क्यूब का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे बनाने के लिए आलू को पहले पानी से साफ कर लें। इसके बाद कद्दूकस की मदद से आलू को घिस लें। अब एक आइस ट्रे लें, उसमें आलू का रस निकालकर डालें और बर्फ जमने के लिए रख दे। फिर जब भी आपको इस्तेमाल करना हो एक क्यूब निकालकर अपने चेहरे पर लगा लें।
4. दही- चेहरे पर दही लगाने से काफी फायदा होता है। ये त्वचा पर नमी लाने के साथ चेहरे पर जमी गंदी को भी हटाने में मददगार साबित होता है। चेहरे पर दही लगाते वक्त ध्यान रखें कि ये आंखों पर न लगे। दही को 30 मिनट लगाने के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।

आजमगढ़ और रामपुर संसदीय उपचुनाव परिणाम यूपी में आगे की राजनीति की दशा-दिशा तय करेंगे

उत्तर प्रदेश की दो लोकसभा सीटों के लिए चुनाव प्रचार थमने के बाद अब लोगों की नजर 23 को मतदान और 26 जून को नतीजों पर आकर टिक गई है। कहने को तो यूपी की 80 में से मात्र दो लोकसभा सीटों आजमगढ़ और रामपुर में उप-चुनाव हो रहा है, लेकिन इन दोनों सीटों के नतीजों की गूंज दूर तक सुनाई देगी। इसीलिए इन दो लोकसभा सीटों के चुनाव ने प्रदेश में सियासी पारा गरमा दिया है। यूं तो दोनों ही सीटें समाजवादी पार्टी का गढ़ मानी जाती हैं, लेकिन बीजेपी और बहुजन समाज पार्टी यहां सेंधमारी में पूरी ताकत से लगी हैं। आजमगढ़ लोकसभा सीट, जहां से 2019 में सपा मुखिया अखिलेश यादव खुद चुनाव लड़कर संसद पहुंच चुके हैं। वह सीट अखिलेश के लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफे के बाद खाली हुई है। वहीं दूसरी रामपुर लोकसभा सीट सपा का कद्दावर मुस्लिम चेहरा माने जाने वाले आजम खान की है, जिनका इस इलाके में दबदबा माना जाता है। वह रामपुर की राजनीति के चाणक्य माने जाते हैं, जिसके ऊपर हाथ रख देते हैं उसकी चुनाव में जीत सुनिश्चित हो जाती है। 2024 में होने वाले आम चुनाव से करीब दो साल पहले हो रहे उप-चुनाव में बीजेपी ने सपा के खिलाफ अपना पूरा जोर लगा दिया है। यह चुनाव उस समय होने जा रहा है जबकि पैगंबर साहब पर बीजेपी की एक पूर्व नेत्री के विवादित बयान देने के बाद मुसलमान वोटर भड़का हुआ है। नुपूर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कई जगह हिंसा हो चुकी है, लेकिन अभी नुपूर शर्मा की गिरफ्तारी नहीं हुई है। वहीं सेना में भर्ती के लिये लाई गई 'अग्निपथ' योजना को लेकर युवाओं का गुस्सा चरम पर है। इसको लेकर कई जगह युवा सड़क पर उतर कर उपद्रव कर रहे हैं। उक्त दो मुद्दों को लेकर बीजेपी चुनाव में अपने आप को असहज महसूस कर रही है। ताजा राजनीतिक घटनाक्रम को देखें तो आजमगढ़ जिस बेल्ट में आता है, वहां से भारी संख्या में युवा सेना में जाते हैं। केंद्र सरकार की हालिया अग्निपथ योजना को लेकर देश भर में विरोध चल रहा है। ऐसे में आजमगढ़ का चुनाव बीजेपी की इस नई स्कीम को लेकर जनमत का टेस्ट भी कर देगा कि वोट देते समय लोग इस स्कीम को ध्यान में रखकर फैसला लेंगे या नहीं? आजमगढ़ लोकसक्षा क्षेत्र की बात करें तो यहां से मुलायम परिवार के ही धर्मेंद्र यादव उम्मीदवार हैं। बीजेपी ने भोजपुरी सिने स्टार दिनेश लाल यादव पर पुन: दांव लगाया है। बीएसपी ने यहां स्थानीय नेता गुड्डू जमाली को उतार कर लड़ाई को एक बार फिर दिलचस्प बना दिया है। उलेमा कौंसिल ने भी जमाली को स्थानीय नेता बताकर उनका समर्थन करने का निर्णय लिया है। 2019 के लोकसभा

चुनाव में अखिलेश यादव को यहां से 60 फीसदी वोट मिले थे लेकिन इस बार हालात अलग हैं। पहले तो पिछली बार उम्मीदवार अखिलेश यादव थे लेकिन इस बार लोकप्रियता के पैमाने पर दिनेश लाल यादव धर्मेंद्र यादव से कहीं आगे हैं। इसके साथ ही विधान सभा चुनाव के बाद कई मुस्लिम संगठन भी समाजवादी पार्टी पर मुसलमानों का साथ नहीं देने का आरोप लगा चुके हैं। ऐसे में बसपा नेता गुड्डू जमाली सपा के लिए मुसीबत का सबब बन सकते हैं। वैसे भी मायावती विधान सभा चुनाव के बाद लगातार मुसलमानों को आगाह कर रही हैं कि वह अखिलेश यादव के बहकावे में नहीं आएं। सपा मुसलमानों को छल रही है। वैसे भी गुड्डू जमाली इलाके में लोकप्रिय नेता हैं। इसके अलावा बीजेपी के उम्मीदवार दिनेश लाल यादव यादव सपा के यादव वोटों को अपनी ओर खींच सकते हैं। सपा के लिए यह सीट प्रतिष्ठा का सवाल है तो बीजेपी के लिए भी यह रण उसकी सियासी धमक के जीतना जरूरी है।

आजमगढ़ में बीजेपी नेता, समाजवादी पार्टी के खिलाफ परिवारवाद को मुद्दा बनाए हुए हैं तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चुनाव प्रचार के दौरान सपा नेता और यहां के निवर्तमान सांसद अखिलेश पर आजमगढ़ की जनता के साथ धोखा किए जाने का आरोप लगाते रहे। बीजेपी लगातार यह दावा करती है कि उत्तर प्रदेश में उसने परिवारवाद को खत्म कर दिया है। ऐसे में आजमगढ़ चुनाव जीतकर वह अपने इस दावे को और पुख्ता करने की कोशिश करना चाहती है। यही वजह है कि मुस्लिम-यादव बहुल इलाके में अपनी जीत तय करने के लिए पार्टी ने अपने सभी दिग्गजों को चुनाव प्रचार के मैदान में उतारा। डिप्टी सीमए केशव मौर्य से लेकर योगी आदित्यनाथ ने तो वहां रैली की ही इसके साथ ही पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सूर्य प्रताप शाही को क्षेत्र में चुनाव की कमान संभाले रहे। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि आजमगढ़ चुनाव को लेकर बीजेपी कितनी गंभीर है।आजमगढ़ के बाद रामपुर लोकसभा सीट की बात की जाए तो यहां से आजम खान सांसद थे और उन्होंने रामपुर से ही विधानसभा सीट जीतने के बाद लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उस समय वह जेल में थे। वहीं से चुनाव जीत गए थे, अब यह सीट खाली हुई तो आजम खान बाहर आ गए हैं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि जो शख्स आजम खान जेल में रहकर अपना चुनाव बेहद आसानी से जीत सकता है, वह अपने क्षेत्र में खुला घूमते समय क्या कर सकता है। इसीलिए बीजेपी ने इस सीट पर पूरी तरह से अपनी नजर गड़ा रखी है। सपा का गढ़ और मुस्लिम बहुल होने के बावजूद रामपुर में बीजेपी अपनी पूरी शक्ति के साथ चुनाव लड़ रही है। बीजेपी के उम्मीदवार घनश्याम लोधी हैं, जो पहले सपा में रह चुके हैं। वह आजम खान के करीबी भी माने जाते रहे हैं।

रामपुर में आजम खान की बीजेपी सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ से अदावत के चर्चे सियासी गलियारों से लेकर चौक-चौराहे तक में खूब सुनने को मिल जाते हैं। सरकार बनने के बाद से ही योगी ने आजम खान पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था। आजम को जेल भी जाना पड़ा था। ऐसे में रामपुर की जंग इस अदावत में शक्ति प्रदर्शन का अखाड़ा भी बन सकती है। हालांकि, बीजेपी के लिए यह आसान नहीं होगा। सपा ने यहां से आजम के करीबी आसिम रजा को टिकट दिया है। आजम खान उप-चुनाव को लेकर काफी सक्रिय भी हैं और लगातार मंचों पर भाषणों के दौरान अपने रंग में लौटते नजर आ रहे हैं। बीजेपी और योगी सरकार पर वह लगातार हमलावर रहते हैं। रामपुर में बीजेपी अगर जीतती है तो इस जीत के बाद वह जोरशोर से यह प्रचारित करने की कोशिश करेगी कि सरकार बनने के बाद आजम खान पर लिए गए ऐक्शन का 'सियासी शत्रुता से कोई संबंध नहीं था। साल 2024 के चुनाव के मद्देनजर मुस्लिम वोटों के भगवा पार्टी के साथ होने के दावे का परीक्षण भी इस चुनाव में हो जाना है।

बहरहाल, चुनाव प्रचार अब थम गया है। 23 जून को मतदान और 26 को मतगणना होगी। आजमगढ़ में सिर्फ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रचार करने गए थे, सपा की तरफ से अखिलेश यादव और बसपा की तरफ से मायावती यहां प्रचार के लिए नहीं पहुंचीं। यही स्थिति रामपुर लोकसभा सीट पर भी रही।

सम्पादकीय

रार और वार

विधानसभा चुनाव के बाद से ही महाराष्ट्र में सत्ता हासिल करने का जो हाई वोल्टेज ड्रामा हुआ था, लगता है अब राज्य उसकी चरम परिणति की ओर बढ़ रहा है। भाजपा व शिवसेना का मिलकर चुनाव लड़ना और चुनाव परिणाम के बाद राहें अलग होना बता गया था कि राज्य को शायद ही स्थिर सरकार मिल पायेगी। हुआ भी वही, शिवसेना का अपने धुर विरोधियों एनसीपी व कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनने में देरी करना और राष्ट्रपति शासन का लगना। उसके बाद एनसीपी के असंतुष्ट धड़े अजित पवार के साथ सरकार बनाने की असफल कोशिश, भाजपा के मुख्यमंत्री के रूप में देवेंद्र फडनवीस का शपथ लेना व बहुमत न जुटा पाने पर इस्तीफा देना महाराष्ट्र की राजनीति के शुरुआती झटके थे। फिर ईडी, सीबीआई,आयकर विभाग व एनसीबी के अस्त्र प्रयोग हुए। महाविकास अघाड़ी सरकार के दो मंत्री फिलहाल जेल में हैं। भाजपा लगातार मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर हमलावर रही। कोरोना काल के कुप्रबंधन के सवाल उठे और पार्टी के हिंदुत्व लाइन से हटने को भी मुद्दा बनाया गया। शिवसैनिक विधायक भी इस बात से आशंकित रहे हैं कि पार्टी अपने आधारभूत मुद्दे हिंदुत्व से हटकर एनसीपी व कांग्रेस की लाइन पर चल रही है। मगर, महाराष्ट्र की राजनीति में हालिया जलजला शिव सेना के विधायक दल के नेता रहे व ठाकरे सरकार में मंत्री एकनाथ शिंदे के पार्टी के दर्जनों विधायकों के साथ महाराष्ट्र छोड़ने से आया है। पहले शिंदे के साथ विधायक भाजपा शासित गुजरात के सूरत पहुंचे और फिर असम में गुवाहटी। कयास लगाये गये कि अब शिवसेना,एनसीपी व कांग्रेस गठबंधन सरकार अल्पमत में आ गई है। आक्षेप है कि ढाई साल पहले हाथ आई सत्ता गंवाने से तिलमिलायी भाजपा सुनियोजित तरीके से राज्य सरकार को गिराने में लगी थी। हालांकि, फिलहाल भाजपा यह दिखाने का प्रयास कर रही है कि यह सब शिवसेना के भीतर व्याप्त अंतर्विरोधों के चलते हुआ है। लेकिन पर्दे के पीछे की उसकी भूमिका को सभी महसूस कर रहे हैं।बहरहाल, राजनीतिक पंडितों का एक वर्ग कयास लगा रहा है कि राज्य में गठबंधन सरकार के गिनती के दिन रह गये हैं। दरअसल, इस घटनाक्रम में शिवसेना के बिखराव के बीज भी निहित हैं क्योंकि शिंदे का दावा है कि वे बाला साहब के कट्टर शिवसैनिक हैं। इससे कहीं न कहीं उद्धव ठाकरे के नेतृत्व को ही चुनौती दी जा रही है। पिछले ढाई साल लगातार गठबंधन सरकार पर भ्रष्टाचार, कोविड के दौरान अव्यवस्था व शिवसेना के पार्टी मुद्दे से भटकने आदि को लेकर भाजपा हमलावर रही है। पार्टी कहती रही है कि साथ मिलकर चुनाव लड़ने के बाद शिवसेना इस वायदे से मुकर गई कि देवेंद्र फडनवीस को मुख्यमंत्री बनाना है। पार्टी शिवसेना पर धोखा देने का आरोप लगाती रही है। बहरहाल, अब भाजपा यह दिखाने का प्रयास कर रही है कि मौजूदा घटनाक्रम में उसकी कोई भूमिका नहीं है और शिवसेना के भीतर जारी असंतोष से ये हालात बने हैं। लेकिन सवाल उठ रहे हैं कि यदि भाजपा की कोई भूमिका नहीं है तो बागी विधायकों को भाजपा शासित राज्यों में ही कैसे शरण व सुरक्षा मिल रही है। हालांकि, कैडर आधारित पार्टी शिवसेना में इतने विधायकों का बागी होना चौंकाने वाला जरूर है। दरअसल, इस विद्रोह के संकेत पहले ही मिलने शुरू हो गये थे जब राज्यसभा चुनाव में पर्याप्त मत न होते हुए भी भाजपा के तीन प्रत्याशी राज्यसभा पहुंचे। ऐसे ही हाल के एमएलसी चुनाव में भाजपा के अधिक प्रत्याशियों के जीतने व पर्याप्त मत होते हुए भी कांग्रेस प्रत्याशी के हारने से संकेत साफ थे कि गठबंधन सरकार के भीतर सबकुछ ठीक-ठाक नहीं है। कयास लगाये जा रहे हैं कि गठबंधन सरकार के खिलाफ भाजपा लंबे समय से सुनियोजित ढंग से काम कर रही थी। पार्टी उस किरकिरी से बचना चाह रही थी जो विधानसभा के चुनाव के बाद एनसीपी के बागियों की मदद से सरकार बनाने की कोशिश में हुई थी। प्रत्यक्ष तौर पर ऑप्रेशन लोटस नहीं चला मगर खामोशी से अभियान जारी रहा।

अग्निपथ योजना राष्ट्र और युवाओं की बेहतरी के लिए है, इसका विरोध करना गलत है

रक्षा मंत्रालय द्वारा अग्निपथ योजना की घोषणा के साथ ही बिहार सहित देश के कई राज्यों में इस योजना का हिंसक विरोध प्रारम्भ हो गया जो प्रथम दृष्टया सुनियोजित और एक बड़े षड़यंत्र का हिस्सा प्रतीत हो रहा है। विगत दो तीन सप्ताह से नूपुर शर्मा के बयान को लेकर जिस प्रकार हिंसा की गयी, फिर राहुल गाँधी की प्रवर्तन निदेशालय में पेशी को लेकर कांग्रेस ने हिंसक प्रदर्शन किए। अब वर्तमान में अग्निपथ विरोधी हिंसा भी उसी पुस्तक का एक अन्य अध्याय लग रही है। भाजपा और विशेषकर मोदी विरोधी राजनैतिक दल जिस प्रकार चिड़िया उड़ का खेल खेल रहे हैं तथा छात्रों को भड़का रहे हैं वह किसी देशद्रोह से कम नहीं है।वास्तविकता यह है कि अग्निपथ योजना के अंतर्गत जिन अग्निवीरों की भर्ती होगी उनमें से 25 प्रतिशत तो सेना में ही आगे बढ़ जायेंगे जबकि चार वर्ष बाद वापस आने वालों के लिए अर्ध सैनिक बल, मर्चेंट नेवी, राज्य सुरक्षा बलों के साथ साथ कई सरकारी, अर्ध सरकारी और निजी क्षेत्र में भिन्न भिन्न प्रकार के अवसर ही अवसर उपलब्ध होंगे।

ऐसी स्थिति में आज भले ही राजनैतिक दल निहित स्वार्थवश छात्र समुदाय को भड़का लें लेकिन भविष्य में जब यह योजना धरातल पर उतर आयेगी और जनता को इसका लाभ होता दिखाई पड़ेगा तब परिस्थितियाँ पूरी तरह बदल जाएँगी।अग्निपथ एक महात्वाकांक्षी योजना है जिससे हमारा देश मजबूत होगा। संकट के समय देश को अतिरिक्त सैनिक मिल सकेंगे जिस प्रकार से दूसरे देशों में होता है। आज विश्व के 30 देशों में अग्निपथ जैसी योजनाएं चल रही हैं और सभी देश उसका लाभ उठा रहे हैं। ये देश अपने रिजर्व सैनिकों के दम पर ही मजबूती के साथ खड़े है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो या फिर इजरायल-फिलीस्तीन सभी युद्धों व संघर्षों में अग्निपथ जैसी योजना के कारण ही अपनी सीमाओं को सुरक्षित कर पा रहे हैं।

अग्निपथ योजना का विरोध कर रहे लोगों को आराम से बैठकर यह योजना समझनी चाहिए और युवाओं को इस योजना में भाग लेकर अपना भविष्य संवारने के लिए प्रेरित करना चाहिए। देश को यह समझना ही होगा कि सरकार यह योजना देश की सेनाओं को युवा, सशक्त, ऊर्जावान व उनको और अधिक आधुनिक बनाने के लिए लेकर आयी है। यह योजना लागू हो जाने के बाद देश के पास ऐसे सैनिक हर समय उपलब्ध रहेंगे जो आवश्यकता पड़ने पर एक संदेश मिलते ही देश की सेवा के लिए उपलब्ध हो जायेंगे।

अग्निपथ युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है क्योंकि चार वर्ष काम करने के बाद मात्र 21 वर्ष की आयु में उनके पास कौशल, अनुशासन, संयमित जीवन और ज्ञान के साथ इतना पैसा भी होगा कि वो जीवन में आगे के लक्ष्य के लिए किसी पर आश्रित नहीं होंगे। अभी तो इस आयु में या तो वो कोचिंग के चक्कर काटते हैं या कोई भी डिग्री सिर्फ इसलिए ले रहे होते हैं कि शायद इससे नौकरी मिल जाएगी। कुल अग्निवीरों में से 25 प्रतिशत तो सीधे सेना में ही आगे बढ़ जायेंगे, शेष के लिए देश के गृह मंत्रालय, भारत सरकार और राज्य सरकार अन्यान्य घोषणाएं कर रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने अग्निवीरों के लिए सेंट्रल आर्म्ड पुलिस फोर्सेज और असम राइफल्स में भर्ती के लिए 10 प्रतिशत का आरक्षण तय कर दिया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा और असम ने अग्निवीरों को सेना की सेवा के उपरांत पुलिस व पुलिस के सहयोगी बलों में प्राथमिकता देने का ऐलान किया है। कोरोना के कारण दो वर्ष से सेना की भर्तियाँ बाधित थीं अत: अग्निवीर के पहले बैच के लिए अधिकतम उम्र सीमा में भी छूट मिलेगी। इतना ही नहीं चार साल बाद शारीरिक और तकनीकी रूप से प्रशिक्षित अग्निवीरों को लेने की घोषणा निजी क्षेत्र की कई बड़ी कंपनियों ने भी कर दी है। योजना में प्रशिक्षित और अनुशासित अग्निवीर के पास अन्य युवकों की तुलना में नौकरी पाने के लिए हमेशा एक बेहतर विकल्प होगा।अग्निवीर 21 से 24 साल की आयु में ही लगभग 20 लाख की राशि जोड़ सकेंगे जिसमें 7-8 लाख की बचत होगी और इसमें 12 लाख रुपये केंद्र सरकार देगी। चार साल बाद चार साल में अग्निवीरों के लिए स्नातक और डिग्री कोर्स शुरू होंगे जिनकी देश और विदेश में मान्यता होगी। जरा आप सभी लोग ध्यान लगाकर सोचिए कि 21 से 24 साल के बीच कितने लोगों के पास 12 लाख की पूंजी होती है। कितने युवा मात्र 24 साल में ही एक निश्चित जीवन यापन करने लग जाते हैं और अपने कैरियर से भी संतुष्ट हो पाते हैं? अग्निपथ योजना आम भारतीय समाज में अभूतपूर्व बदलाव लाने में सक्षम है। सबसे महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष लाभ यह होने जा रहा है कि 10वीं, 12वीं के युवाओं को अपने लिए उचित स्किल को पहचानने का अवसर और भारतीय सेना के अनुशासन में रमने का स्वर्णिम अवसर मिल रहा है। इससे युवाओं में आत्मविश्वास व स्वाभिमान बढ़ेगा। वहीं वापस आने पर कम उम्र में उद्यमी बनने का अवसर भी प्राप्त होगा। वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए आगामी समय में कोई भी बड़ा संकट या बड़े युद्ध की स्थिति पैदा हो सकती है और यही कारण है कि भारतीय सेना कम समय में प्रशिक्षित युवाओं की एक श्रृंखला तैयार कर रही है जो आवश्यकता पड़ने पर आन्तरिक और बाह्य शत्रुओं से मुकाबला कर सकें। इस योजना के परिणामस्वरूप, लम्बी वैश्विक उथल पुथल और खिंचते हुए युद्धों के समय में भारत की सेना के पास प्रशिक्षित व अनुशासित मानव संसाधन उपलब्ध होगा।अग्निवीर योजना का एक उद्देश्य सशस्त्र बलों की आयु कम करके उसे युवा बनाना भी है ताकि वे जोखिम लेने की बेहतर क्षमता के साथ हर समय अपने सर्वश्रेष्ठ युद्ध कौशल से लैस रहें। यह युवा वर्ग उन्नत तकनीकी कौशलों से भी लैस होगा तथा उभरती हुई आधुनिक तकनीकों का प्रभावी ढंग से उपयोग करने, उन्हें अपनाने और उनका उपयोग करने हेतु समाज से युवा प्रतिभाओं को आकर्षित किया जा सकेगा। आज बहुत से युवा ऐसे भी हैं जो थोड़े समय के लिए राष्ट्र की सेवा करने के इच्छुक रहते हैं तथा सेना की कार्यप्रणाली को जानना चाहते हैं ऐसे युवाओं को भी नये अवसर प्राप्त होंगे।यह योजना सशस्त्र बलों, राष्ट्र, व्यक्ति विशेष और व्यापक पैमाने पर समाज के लिए बेहतर साबित होगी। बदलती परिस्थितियों के अनुरूप ऊर्जावान, स्वस्थ, विविधतापूर्ण, सशक्त युवाओं व युवतियों के साथ परिवर्तनकारी विकास के द्वारा युद्ध की बेहतर तैयारी की जा सकेगी।

बायर्न म्यूनिख ने सेनेगल स्टार सादियो माने से किया करार

म्यूनिख। बायर्न म्यूनिख ने लिवरपूल से सेनेगल के फारवर्ड सादियो माने के अनुबंध की औपचारिकता पूरी की। क्लब ने कहा कि 30 साल के सादियो माने ने जून 2025 तक बायर्न म्यूनिख से

करार किया है। बायर्न म्यूनिख के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओलिवर कान ने कहा कि दुनिया में उनके जैसे खिलाड़ी काफी कम हैं। हमें पूरा भरोसा है कि सादियो माने आगामी वर्षों में अपने खेल से हमारे दर्शकों के चेहरे पर खुशियां लाएंगे। इस करार की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने पिछले एसोसिएटिड प्रेस से बताया था कि यह अनुबंध 4.10 करोड़ यूरो का है।

मालोर्का टेनिस चैंपियनशिप : मेदवेदेव, सिटसिपास आगे बढ़े, किर्गियोस ने वापस लिया नाम

पाल्मा। दानिल मेदवेदेव और स्टेफानोस सिटसिपास ने मालोर्का टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जबकि निक किर्गियोस विंबलडन से पहले चोट से बचने के लिये इस

टूर्नामेंट से हट गए। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मेदवेदेव ने असलान करात्सेव को 4-6, 6-3, 6-2 से जबकि सिटसिपास ने इल्या इवाश्का को 6-4, 6-4 से पराजित किया। मेदवेदेव का सामना अब रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट से होगा, जो किर्गियोस के मैच से पहले हटने के कारण आगे बढ़े हैं। मेदवेदेव इस साल विंबलडन में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि ऑल इंग्लैंड क्लब ने यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूस और उसके सहयोगी बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा रखा है। विश्व में छठे नंबर के सिटसिपास का अगला मुकाबला अमेरिका के मार्कोस गिरोन से होगा, जिन्होंने हमवतन मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 4-6, 7-6 (5), 6-4 से हराया।

फीडे कैंडीडेट्स शतरंज - अलीरेजा को हराकर नेपोमिन्सी नें बनाई बढ़त

मेड्रिड ,स्पेन। फीडे कैंडीडेट 2022 मे एक दिन के विश्राम के बाद रूस के यान नेपोमिन्सी नें प्रतियोगिता में खिताब के बड़े दावेदार माने जा रहे फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को पराजित करते हुए पहली बार एकल बढ़त हासिल कर ली है । सफ़ेद मोहरो से खेल रहे नेपोमिन्सी के सामने अलीरेजा नें बेहद आक्रामक सिसिलियन

नजडोर्फ ओपनिंग का चुनाव किया और बेहद तेजी से मुक़ाबले को खेला पर खेल की 23वीं चाल में बड़ी गलती की और इसके बाद नेपोमिन्सी नें शानदार आक्रमण करते हुए 39 चालों में अलीरेजा को हार मानने पर विवश कर दिया । चौंथे राउंड में अन्य मुकाबलों में चीन के डिंग लीरेन नें यूएसए के फबियानों कारूआना से ,पोलैंड के यान डूड़ा नें अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव से और हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट नें यूएसए के हिकारु नाकामुरा से बाजी ड्रॉ खेली । चार राउंड के बाद नेपोमिन्सी 3 अंक बनाकर पहले तो कारूआना 2.5 अंक बनाकर दूसरे स्थान पर चल रहे है ।

इंगलैंड ने 30.1 ओवर में 248 रन बनाकर जीता तीसरा वनडे, सीरीज क्लीन स्विप

लंदन। जेसन रॉय और जेसन बटलर की आतिशी पारियों की बदौलत इंगलैंड ने नीदरलैंड के खिलाफ तीसरा वनडे 30.1 ओवर में 248 रन बनाकर जीत लिया। राय ने शतक लगाया तो बटलर 64 गेंदों में 86 रन बनाकर नाबाद रहे। फिलिप सॉल्ट ने भी 30 गेंदों में 49 रन बनाकर नीदरलैंड के गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। नीदरलैंड के पॉल वेन 59 रन देकर दो विकेट लेने में सफल रहे। इंगलैंड ने इस मैच को जीतकर सीरीज भी क्लीन स्विप कर दी है। इससे पहले नीदरलैंड ने पहले बल्लेबाजी की थी। उनके स्टार ओपनर विक्रमजीत सिंह महज 6 रन बनाकर पवेलियन

लौट गए। लेकिन मैक्स ने टॉम कूपर के साथ मिलकर महत्वपूर्ण साझेदारी की। मैक्स 69 गेंद में 50 रन बनाकर आऊट हुए जबकि टॉम ने 33 रन बनाए। नीदरलैंड को मध्यक्रम बल्लेबाज लिडे और कप्तन एडवर्ड्स का सहारा मिला। लिडे ने 78 गेंदों में जहां 56 रन बनाए तो वहीं, एडवर्ड्स 72 गेंदों में 64 रन बनाने में कामयाब रहे। दोनों की विकेट गिरते ही नीदरलैंड के पुछल्ले बल्लेबाज सस्ते में ही आऊट हो गए। टीम 244 रन पर ऑल आऊट हुई। इंगलैंड की ओर से डेविड विल्ली ने 36 रन देकर चार तो पेन ने 38 रन देकर एक विकेट लिया। इसी तरह कार्से ने 49 रन देकर दो तो लिविंगस्टोन और आदिल राशिद ने 1-1 विकेट लिया। इंगलैंड ने मिले लक्ष्य के जवाब में ताबड़तोड़ शुरूआत की। 10वें ओवर में जब इंगलैंड के सलामी बल्लेबाज फिलिप सॉल्ट 49 रन देकर आऊट हुए तब तक इंगलैंड का स्कोर 85 हो चुका था। इसी स्कोर डेविड मलान पर भी बिना खाता खोले आऊट हो गए।

85 रन पर दो विकेट गिर जाने के बाद क्रीज पर जोस बटलर आए। उन्होंने एक बार फिर से ताबड़तोड़ शॉट लगाए। उधर, जेसन रॉय भी नीदरलैंड के गेंदबाजों की परीक्षा लेते रहे और अपना शतक पूरा करने में सफल रहे। जेसन ने जहां 86 गेंदों में 15 चौकों की मदद से 101 रन बनाए तो वहीं, जोस बटलर ने 64 गेंदों में 7 चौके और पांच छक्कों की मदद से 86 रन बनाए। दोनों ने 30.1 ओवर में ही इंगलैंड को जीत दिला दी। नीरदरलैंड की ओर से मीकरीन ने दो विकेट लिए।

धर्मशाला और शिमला पहुंची शतरंज ओलंपियाड की मशाल

धर्मशाला। 44वे फीडे शतरंज ओलंपियाड के आयोजन के ठीक पहले शुरू हुई शतरंज मशाल का सफर कुछ दिन पहले दिल्ली से शुरू हुआ था जब दिल्ली के इन्दिरा गांधी इंडोर स्टेडियम से खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नें शतरंज ओलंपियाड के 44वें सत्र से पहले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की पहली मशाल रिले को हरी झंडी दिखाई।

शतरंज ओलंपियाड का आयोजन महाबलीपुरम में 28 जुलाई से 10 अगस्त तक किया जाएगा। शतरंज की अंतरराष्ट्रीय संचालन संस्था फिडे ने पहली बार मशाल रिले का आयोजन किया है जो ओलंपिक परंपरा से प्रेरित है। मशाल 40 दिन में 75

शहरों से गुजरकर चेन्नई के समीप महाबलीपुरम पहुंचेगी। दिल्ली के लाल किले से होते हुए यह मशाल, लद्दाख ,श्रीनगर ,जम्मू ,धर्मशाला और शिमला का सफर तय कर चुकी है इसी क्रम में कल ये मशाल धर्मशाला पहुंची जहां केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर नें इसका स्वागत किया और आगे के लिए रवाना करते हुए ग्रांड मास्टर दीप सेन गुप्ता को सौंपा इसके बाद यह मशाल शाम को शिमला पहुंचीजहां हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने इसका स्वागत किया ।

जब क्रीज पर उतरता हूं तो खुद पर भरोसा करता हूं : यशस्वी जायसवाल

बेंगलुरू। यशस्वी जायसवाल सिर्फ 22 साल के हैं लेकिन उन्हें पता है कि मजबूत वापसी कैसे की जाती है। उन्होंने पिछले महीने इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रायल्स के खिलाफ ऐसा किया और इस महीने रणजी ट्रॉफी नॉकआऊट में मुंबई के लिए शानदार प्रदर्शन किया। क्वार्टर फाइनल में शतक जडऩे के बाद जायसवाल ने सेमीफाइनल में दो शतक जड़े। वह फाइनल में मध्य प्रदेश में खिलाफ सत्र के चौथे शतक की ओर बढ़ रहे थे लेकिन बुधवार को रणजी ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन मध्य प्रदेश के तेज गेंदबाज अनुभव अग्रवाल ने उन्हें 78 रन के स्कोर पर आऊट कर दिया।

मैं दुखी हूं लेकिन यह क्रिकेट है

जायसवाल ने पहले दिन के खेल के बाद कहा कि हां, मैं इसे लेकर थोड़ा दुखी हूं लेकिन यह क्रिकेट है। आपको अच्छे और बुरे दोनों का अनुभव करना होता है। मैंने अब तक यही सीखा है। उन्होंने कहा कि क्रिकेट में, चीजें उस तरह नहीं होती जैसे आप चाहते हो लेकिन मैं क्रिकेट और इंसान के रूप में खुद में सुधार के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं। आईपीएल के दौरान जायसवाल को शुरुआती कुछ मुकाबलों से बाहर किया गया था लेकिन

टूर्नामेंट के दूसरे हाफ में उन्होंने रॉयल्स की अंतिम एकादश में वापसी की और कुछ शानदार पारियां खेली।

हमेशा अनुशासित रहना होगा

जायसवाल ने कहा कि आईपीएल में भी ऐसा ही हुआ था। मुझे तीन मैच खेलने को मिले, फिर बाहर हो गया और फिर 7 मैच के बाद वापसी की। लेकिन इस सब के बीच में मेरे दिमाग में यह चीज स्पष्ट है कि मुझे कड़ी मेहनत करनी होगी और हमेशा अनुशासित रहना होगा। जायसवाल ने कहा कि खराब दौर के दौरान सिर्फ कड़ी मेहनत का फल मिलता है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें दबाव की स्थिति में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा है।

दबाव का सामना करने में होती है खुशी

जायसवाल ने कहा कि फाइनल अलग है क्योंकि आपकी मानसिकता अलग होती है। मेरे करीबी लोगों ने मुझे इतनी सारी बातें बताई हैं क्योंकि वे चाहते हैं कि मैं अच्छा प्रदर्शन करूं। बेशक वे दबाव बनाते हैं। ईमानदारी से कहूं तो मुझे इस दबाव का सामना करने में खुशी होती है, मैं इसका लुत्फ उठाता हूं। उन्होंने कहा कि मैं इस मानसिकता के साथ उतरता हूं कि मैं ऐसा करूंगा। मैं स्वयं पर विश्वास और भरोसा करता हूं कि मैं जब भी क्रीज पर उतरूंगा तो अच्छा प्रदर्शन करूंगा।

श्रीलंका दौरे के लिए पाकिस्तान की टेस्ट टीम में यासिर शाह की वापसी

इस्लामाबाद । लगभग एक साल तक बाहर रहने के बाद लेग स्पिनर यासिर शाह टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे जिन्हें पाकिस्तान ने श्रीलंका में अगले महीने होने वाली दो मैच की श्रृंखला के लिए 18 सदस्यीय टीम में जगह दी है। यासिर पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के बाद से अपनी फिटनेस लेकर जूझ रहे हैं। उन्होंने सात साल पहले श्रीलंका में 24 विकेट चटकाकर पाकिस्तान की 2-1 की जीत में अहम भूमिका निभाई थी।

शाह ने टीम में आफ स्पिनर साजिद खान की जगह ली है जो आस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली घरेलू टेस्ट श्रृंखला में खेले थे। पाकिस्तान ने यह श्रृंखला 0-1 से गंवाई थी। पदार्पण का इंतजार कर रहे आलराउंडर सलमान अली आगा और बाएं हाथ के स्पिनर मोहम्मद नवाज को भी टीम में शामिल किया गया है। पहला टेस्ट गॉल में 16 से 20 जुलाई तक होगा जबकि कोलंबो दूसरे टेस्ट की मेजबानी 24 से 28 जुलाई तक करेगा। पाकिस्तान की टीम छह जुलाई को श्रीलंका रवाना होगी और 11 से 13 जुलाई तक तीन दिवसीय अभ्यास मैच खेलेगी।

टीम इस प्रकार है: बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, अब्दुल्ला शफीक, अजहर अली, फहीम अशरफ, फवद आलम, हारिस राउफ, हसन अली, इमाम उल हक, मोहम्मद नवाज, नसीम शाह, नौमान अली, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद, सौद शकील, शाहीन अफरीदी, शान मसूद और यासिर शाह।

सिमोन एशिया पैसीफिक कप गोल्फ में हिस्सा लेंगी भारत की चार महिला गोल्फर

नई दिल्ली। महिला पेशेवर गोल्फ टूर में हिस्सा लेने वाली चार भारतीय गोल्फर पहले सिमोन एशिया पैसीफिक कप में हिस्सा लेंगी जिसकी इनामी राशि 750,000 अमेरिकी डॉलर है। इंडोनेशिया के जकार्ता में 15 से 20 अगस्त तक होने वाले इस टूर्नामेंट के पहले सत्र के लिए दो-दो खिलाड़ियों की दो भारतीय टीम को आमंत्रित किया गया है। टूर्नामेंट का आयोजन एशियाई गोल्फ लीडर्स फोरम के तत्वावधान में किया जाएगा।

कुल इनामी राशि में से पांच लाख की इनामी राशि व्यक्तिगत स्पर्धा के लिए होगी जबकि ढाई लाख डॉलर की इनामी राशि टीम स्पर्धा के लिए है। यह तीन दिवसीय 54 होल की स्ट्रोक प्ले स्पर्धा होगी। भारत को शुरुआत में एक टीम आवंटित की गई थी और अदिति अशोक तथा त्वेसा मलिक को आमंत्रित किया गया था। भारतीय महिला गोल्फ संघ के अनुसार इन दोनों ने खेद जताया और उनकी जगह

दीक्षा डागर और गौरिका बिश्नोई ने ली। भारतीय महिला गोल्फ संघ ने इसके बाद दूसरी टीम के लिए आग्रह किया जिसे स्वीकार कर लिया गया। दूसरी टीम में अमनदीप द्राल और वाणी कपूर को जगह मिली।

रणजी ट्रॉफी फाइनलः सरफराज खान ने ठोका शतक, 900 प्लस रन के साथ बनाया ये बड़ा रिकॉर्ड

बेंगलुरू । सरफराज खान ने रणजी ट्रॉफी फाइनल में मध्य प्रदेश के खिलाफ अपना चौथा शतक लगाते हुए टीम को 351/8 के स्कोर तक पहुंचाया। एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे फाइनल मुकाबले के दूसरे दिन सरफराज 119 रनों के साथ दोपहर तक टिके रहे। इससे पहले रणजी ट्रॉफी फाइनल के पहले दिन वह काफी चौकस दिखाई दिए थे। इसी के साथ ही सरफराज रणजी में दूसरी बार 900+ रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

सरफराज ने 2019/20 में 928 रन बनाए थे जबकि इस सीजन में भी उन्होंने 900+ रन का आंकड़ा पार कर लिया है। वह दो रणजी सीजन में 900+ रन बनाने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले अजय शर्मा और वसीम जाफर ने ये कमाल किया था। पहले दिन 248/5 पर खेल की समाप्ति के बाद मुंबई ने दूसरे दिन की दूसरी गेंद पर शम्स मुलानी को खो दिया। तेज गेंदबाज गौरव यादव ने उन्हें

एलबीडब्ल्यू किया। सरफराज ने पहली बार अपने सतर्क आत्म को खोने के संकेत दिखाए जब उन्होंने गौरव को चौके के लिए कट शॉट मारा। गौरव और अनुभव अग्रवाल ने चीजों को चुस्त-दुरुस्त रखने के साथ सरफराज अपने शॉट लेने में असमर्थ थे और लंबे समय तक 45 रन पर अटके रहे। जैसे ही बाएं हाथ के स्पिनर कुमार कार्तिकेय सिंह गेंदबाजी पर आए तो सरफराज ने मिड-विकेट पर स्वीप करके ओपनिंग की और उसी क्षेत्र में सिंगल के साथ अपना अर्धशतक पूरा किया। सरफराज ने अपने सीधे-डाउन-द-ग्राउंड ड्राइव के समय कार्तिकेय के खिलाफ अपना स्वीप जारी रखा। सरफराज ने एमपी के गेंदबाजी गौरव के साथ कड़ी टक्कर के बावजूद आगे बढ़ना जारी रखा। उन्होंने अनुभव के खिलाफ रैंप शॉट भी निकाला, जिसमें गेंद कीपर के ऊपर से जा रही थी और बाउंड्री के लिए गई। सरफराज ने 190 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। शतक के बाद जश्न के दौरान सरफराज की आंखों से आंसू थे। मुंबई कैंप से तालियों की गड़गड़ाहट और स्टेडियम में सीमित संख्या में दर्शक थे। शतक तक पहुंचने के बाद भी सरफराज ने कार्तिकेय पर हमला करना जारी रखा। उन्हें छह ओवर के डीप मिड-विकेट के लिए स्लॉग-स्वीप किया और उसके बाद तुषार देशपांडे ने बाउंड्री लगाई और मुंबई ने सत्र में 103 रन बनाए।

कैफ ने पुजारा की टेस्ट टीम में वापसी की सराहना की, कहा- वह युवा खिलाड़ियों के लिए उदाहरण हैं

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भारतीय राष्ट्रीय टेस्ट टीम में तत्काल वापसी करने के लिए चेतेश्वर पुजारा की प्रशंसा की है। श्रीलंका के खिलाफ भारत की आखिरी टेस्ट श्रृंखला के लिए अनुभवी बल्लेबाज को हटा दिया गया था, लेकिन खिलाड़ी इंग्लैंड के खिलाफ पुनर्निर्धारित टेस्ट मैच के लिए वापस आ गया है।

कैफ ने युवाओं को सलाह दी कि पुजारा की कड़ी मेहनत और राष्ट्रीय टीम से बाहर होने के बाद उनकी पसंद उनसे सीखने वाली चीजें हैं। उनका यह भी मानना ??है कि अनुभवी खिलाड़ी पहली जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेगा। कैफ ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा, आप पुजारा से बहुत कुछ सीख सकते हैं। अगर आप ड्रॉप हो जाते हैं तो बल्लेबाज के तौर पर आपको क्या करना होगा? आप काउंटी वापस जाते हैं, आप रणजी

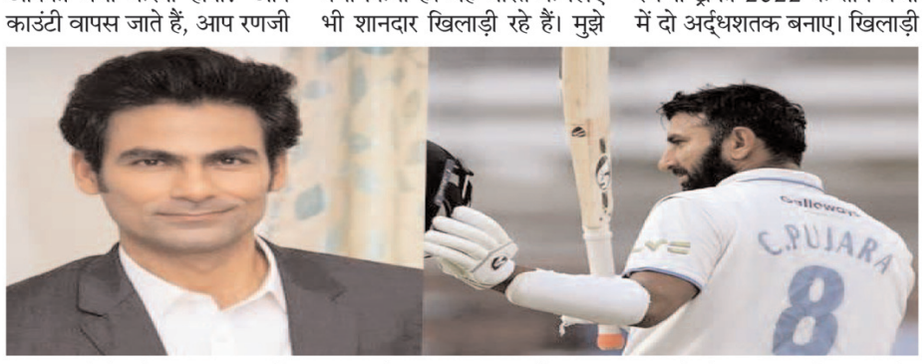

वापस जाते हैं और आप रन बनाते हैं और मेरा मतलब है, शतक और शतक बनाते हैं। उन्होंने ऐसा किया है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि वह किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए एक उदाहरण है जिसे बाहर कर दिया गया है और कैसे वापसी करनी है। शायद आपको वापस जाना चाहिए और देखना चाहिए कि उन्होंने पिछले कुछ महीनों में क्या किया है। वह भारत के लिए भी शानदार खिलाड़ी रहे हैं। मुझे लगता है कि वह भारत के लिए नंबर 3 पर खेलेंगे। गौर हो कि इस 34 वर्षीय टेस्ट विशेषज्ञ जनवरी 2019 से शतक बनाने में विफल रहे हैं और उनके खराब प्रदर्शन के कारण जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका श्रृंखला के बाद उन्हें भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया। वह अपनी घरेलू टीम सौराष्ट्र में फिर से शामिल हुए और रणजी ट्रॉफी 2022 के तीन मैचों में दो अर्द्धशतक बनाए। खिलाड़ी फरवरी में इंडियन प्रीमियर लीग 2022 मेगा-नीलामी में अनसोल्ड रहे और ससेक्स के लिए काउंटी क्रिकेट खेलने के लिए इंग्लैंड चले गए। पुजारा ने ससेक्स के साथ बेहद सफल सत्र खेला और आठ पारियों में 120.0 की प्रभावशाली औसत से 720 रन बनाए।

सीओए के साथ पहले दिन मुख्य मुद्दों पर बनी सहमति, फीफा की नाखुशी पर सलाहकार समिति भंग

लंदप। फीफा और प्रशासकों की समिति (सीओए) के बीच पहले दौर की बातचीत सौहार्दपूर्ण रही, जिससे भारतीय फुटबॉल पर प्रतिबंध का खतरा टलता नजर आ रहा है। हालांकि फीफा की टीम ने इस साल सितंबर माह तक भारतीय फुटबॉल महासंघ का चुनाव कराने को कहा है। वहीं सीओए की ओर से फुटबॉल संघ के संचालन को गठित 12 सदस्यीय सलाहकार कमेटी को फीफा कमेटी की नाखुशी पर भंग कर दिया गया।

प्रफुल्ल पटेल से भी मिली फीफा टीम

सूत्रों का कहना है कि अब तक कुछ आधिकारिक नहीं है, लेकिन फीफा क्या निर्देश देनी वाली है, इसका पता बुधवार को दूसरे दौरे की बातचीत के बाद ही पता लगेगा। सूत्रों का कहना है कि मुख्य मुद्दों पर दोनों पक्ष सहमत दिखे, उन्हें नहीं लगता है कि इसके बाद फीफा की ओर से भारत पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। दरअसल सुप्रीम कोर्ट की ओर से फुटबॉल संघ को भंग कर उसकी कमान सीओए को सौंपे जाने के कारण एशियाई फुटबॉल कन्फेडरेशन (एएफसी) के महासचिव विंडसर की अगुवाई वाली फीफा की टीम यहां आई है। फीफा को डर है कि अक्तूबर में होने वाले अंडर-17 महिला विश्व कप पर इसका असर न पड़े, इस लिए उसने सितंबर तक चुनाव कराने को कहा है। हालांकि सीओए से मिलने से पहले फीफा टीम पूर्व अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल से उनके आवास पर भी मिले। फीफा की टीम बुधवार को खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात करेगी।

अंतरिक्ष की ओर कदम : अमेरिका के उद्योग सहयोगियों से डिजाइन प्रस्ताव मांगा गया, 10 साल होगा रिएक्टर का जीवन

वाशिंगटन। नासा चांद पर 40 किलोवाट का न्यूक्लियर रिएक्टर बनाने जा रहा है। नासा के मुताबिक, यह एक हल्का विखंडन प्रक्रिया पर आधारित ऐसा तंत्र है, जो चंद्रमा के रोवर की सतह पर 10 किलोवाट की बिजली ऊर्जा प्रदान करने के साथ वहां के औसत घरेलू ऊर्जा की आवश्यकता की आपूर्ति कर सकेगा। नासा के मुताबिक, 40 किलोवाट की विखंडन प्रक्रिया पर आधारित सिस्टम के शुरुआती डिजाइन पर 50 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे, जो पृथ्वी पर 10 साल के लिए 30 घरों को मिलने वाली ऊर्जा प्रदान करेंगे। यदि चंद्रमा की सतह पर यह सफलतापूर्वक प्रदर्शन करता है तो भविष्य में इसका उपयोग मंगल पर किया जा सकता है।

प्रोजेक्ट में नासा, अमेरिका के ऊर्जा विभाग के साथ मिलकर शोध कर रहा है। दोनों ने ही अमेरिका के उद्योग सहयोगियों से परमाणु विखंडन ऊर्जा तंत्र के लिए डिजाइन देने को कहा है, जो चंद्रमा पर चल सके व उसे प्रक्षेपित कर सके। नासा के प्रवक्ता स्केली के मुताबिक, एजेंसी ऐसा फ्लाइट हार्डवेयर सिस्टम चाहती है जो चांद की सतह से 2026 तक इंटीग्रेट हो जाए।

पेलोड की तरह जाएगा खुद ही करेगा ऑपरेट

फिजन सरफेस पावर (विखंडन प्रक्रिया) सिस्टम पूरी तरह धरती पर बनेगा और फिर इसे जोड़ा जाएगा। इसके बाद इसे एक पेलोड की तरह लैंडर पर इंटीग्रेट किया जाएगा। सिस्टम को कुछ इस तरह से डिजाइन किया गया है कि एक बार लैंडर चांद की सतह पर पहुंचा तो ये खुद ही अपनी तैनाती और ऑपरेट कर लेगा। इसके चार प्रमुख सब- हैं जिनमें एक परमाणु रिएक्टर, एक इलेक्ट्रिक पावर कन्वर्जन यूनिट, हीट रिजेक्शन ऐरे, पावर मैनेजमेंट एंड डिस्ट्रीब्यूशन सब-सिस्टम शामिल हैं।

चंद्रमा पर परीक्षण बड़ी चुनौती

नासा और डिओए को अभी तक पिछले प्रयोगों में कुछ सफलता जरूर मिली है, लेकिन इसका चंद्रमा पर ही परीक्षण करना एक बड़ी चुनौती होगी।

ऐसी होनी चाहिए क्षमताएं

अंतरिक्ष एजेंसी के मुताबिक, इस तंत्र में ऐसी क्षमताएं होनी चाहिए जो एक छोटे, हल्के विखंडन तंत्र की तरह चंद्रमा की सतह पर काम कर सके। वहां कि औसत घरेलू ऊर्जा की आवश्यकताओं की पूरा किया जा सके। यह तंत्र चंद्रमा पर वैज्ञानिक प्रयोगों की जरूरतों की पूर्ति करने के लिए काम आएगा।

रूसी सेना ने खारकीव पर की रॉकेटों की बारिश, 15 की मौत, बाहरी इलाके में बने घर नष्ट

खारकीव । रूस की सेनाओं ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव और आसपास के इलाकों पर रात और सुबह रॉकेटों की बारिश कर दी। इससे कम से कम 15 लोग मारे गए और 16 घायल हो गए। बताया जा रहा है, इस हमले के पीछे रूस का इरादा यूक्रेन की सेना को मुख्य युद्धस्थल से हटाकर शहरियों की रक्षा पर मजबूर करने का है। खारकीव में सामान्य जीवन पटरी पर लौट रहा था, लेकिन पिछले कुछ सप्ताह के सबसे भीषण हमले ने हालात फिर बिगाड़ दिए हैं। पिछले माह यूक्रेनी सेना ने यहां से रूसी सेनाओं को खदेड़ दिया था। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है, इससे शहर के बाहरी इलाके में बने घर भी नष्ट हो गए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार ओलेक्से एरेतोविच ने वीडियो संबोधन में कहा, रूसी हमले उसी तरह के थे, जैसे उसने मैरियूपोल पर किए थे। इनका लक्ष्य लोगों को डराना है। वह ऐसा करना जारी रखते हैं तो हमें प्रतिक्रिया देनी पड़ेगी। इसके लिए हमें सेना को शहरों में लाना पड़ेगा।

ड्रोन से हुआ था रिफाइनरी पर हमला

यूक्रेन में दोनबास सीमा से महज आठ किलोमीटर दूर स्थित रूस की नोवोशखतिंस्क तेल रिफाइनरी पर हमले के संबंध में समाचार एजेंसी तास ने बताया, यह हमला ड्रोन से किया गया था। इस इलाके पर रूस समर्थक अलवाववादियों का कब्जा है।

द्वितीय विश्व युद्ध से बची बुजुर्ग महिला बनी निशाना

स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने बताया, एक बर्बाद हुए गैरेज से 85 साल की बुजुर्ग महिला का शव बरामद हुआ था। उसके पोते माइक्ता ने बताया, दादी द्वितीय विश्व युद्ध की गवाह थीं। उस समय वह जान बचाने में कामयाब रहीं। रूस के यूक्रेन पर हमला करने के बाद भी वह यहां से कहीं जाने के लिए तैयार नहीं थीं। इस दूसरे युद्ध ने उनकी जान ले ली।

गिलगित-बाल्टिस्तान को चीन को सौंपने की तैयारी में पाकिस्तान, कर्ज उतारने के लिए उठा सकता है कदम

इस्लामाबाद: पाकिस्तान अपने बढ़ते कर्ज का भुगतान करने के लिए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर क्षेत्र (पीओके) गिलगित-बाल्टिस्तान (जीबी) को चीन को लीज पर दे सकता है। काराकोरम नेशनल मूवमेंट के अध्यक्ष, मुमताज ने आशंका व्यक्त करते हुए कहा कि अलग-थलग और उपेक्षित, गिलगित बाल्टिस्तान विश्व शक्तियों के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए भविष्य का युद्ध का मैदान बन सकता है। कश्मीर का सबसे उत्तरी भाग चीन की सीमा से लगा हुआ है और मुमताज ने आशंका व्यक्त की है कि कर्ज उतारने के लिए पाकिस्तान इसे कभी भी चीन को सौंप सकता है। हालांकि पाकिस्तानी मीडिया में आई खबरों में कहा गया है कि मुमताज लोगों के बीच गलत खबर फैला रहे हैं।

गिलगित बाल्टिस्तान चीन के दक्षिण एशियाई विस्तार के लिए वरदान

मुमताज ने कहा कि पाकिस्तान जिस गिलगित-बाल्टिस्तान को अवैध रूप से अपने कब्जे में कर रहा है, वह चीन के दक्षिण एशियाई विस्तार के लिए वरदान होगा। मुमताज ने कहा कि अगर पाकिस्तान चीन

को गिलगित-बाल्टिस्तान सौंप देता है तो उसे इसके लिए चीन की तरफ से मोटी रकम मिल सकती है जो उसके मौजूदा आर्थिक संकट से निपटने में मदद कर सकती है। लेकिन यह कदम उसे भारी भी पड़ सकता है क्योंकि अमेरिका कभी भी नहीं चाहेगा कि चीन का प्रभाव किसी भी तरह से बढ़े। अमेरिका भविष्य में आईएमएफ, विश्व बैंक और अन्य वैश्विक एजेंसियों से धन प्राप्त करने से निकट भविष्य के लिए पाकिस्तान को ब्लैकलिस्ट भी कर सकता है।

गिलगित-बाल्टिस्तान का बुरा हाल: पाकिस्तानी मीडिया

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि गिलगित-बाल्टिस्तान की आबादी घटती जा रही है। सक्षम लोग अपने परिवारों के साथ पलायन कर रहे हैं।

एक रिपोर्ट में चिंताजनक रूप से कहा गया है कि पाकिस्तान में होने वाली सभी आत्महत्याओं में से नौ प्रतिशत जीबी में होती हैं। देश के बाकी हिस्सों को बिजली उपलब्ध कराने के बावजूद गिलगित-बाल्टिस्तान के पास सिर्फ दो घंटे बिजली उपलब्ध है, क्योंकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के राष्ट्रीय ग्रिड का हिस्सा नहीं है। इसके अलावा, यह भोजन की कमी से ग्रस्त है और इसका जल विद्युत या अन्य संसाधनों पर कोई नियंत्रण नहीं है।

भूकंप के झटके से एक बार फिर कांपा नेपाल, काठमांडू से 161 किमी दूर रहा केंद्र

संयुक्त राष्ट्र। नेपाल में एक बार फिर से भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। राजधानी काठमांडू से 161 किलोमीटर दूर इसका केंद्र बताया जा रहा है। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.3 मापी गई। जान-माल के नुकसान की अभी कोई खबर नहीं है। बता दें कि इससे पहले 21 जून को अफगानिस्तान में भूकंप ने भारी तबाही मचाई थी। यहां 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। इसके बाद चारों तरफ बर्बादी और तबाही का ही आलम दिखाई दिया। अफगानिस्तान के एक अधिकारी के मुताबिक, इस भूकंप में अब तक 1000 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है। वहीं 1500 से ज्यादा लोगों के घायल होने की भी सूचना है। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के कारण सैंकड़ों घर भी तबाह हो चुके हैं।

कर्नाटक में भूकंप

आपदा प्रबंधन अधिकारी के अनुसार कर्नाटक के हासन जिले और पड़ोसी क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 3.4 रही।

जानें क्यों आता है भूकंप?

धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी होती हैं। इनर कोर, आउटर कोर, मैनटल और क्रस्ट। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर कहते हैं। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत कई वर्गों में बंटी हुई है जिसे टैकटोनिक प्लेट्स कहते हैं। ये टैकटोनिक प्लेट्स अपनी जगह पर कंपन करती रहती हैं और जब इस प्लेट में बहुत ज्यादा कंपन हो जाती हैं, तो भूकंप महसूस होता है।

जानिए भूकंप के केंद्र और तीव्रता का क्या मतलब है?

भूकंप का केंद्र वह स्थान होता है जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से धरती हिलने लगती है। इस स्थान पर या इसके आसपास के क्षेत्रों में भूकंप का असर ज्यादा होता है। अगर रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है।

पाकिस्तान कानून मंत्री का संकेत- गिरफ्तार हो सकते हैं नवाज शरीफ

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के कानून मंत्री आज़म नज़ीर तरार ने कहा है कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) प्रमुख और अपदस्थ पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ब्रिटेन से स्वदेश लौटने के दौरान ट्रांजिट जमानत नहीं ले पाते हैं, तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। शरीफ इलाज के लिए विदेश जाने की लाहौर उच्च न्यायालय द्वारा अनुमति दिये जाने के बाद नवंबर 2019 में लंदन के लिए रवाना हुए थे। शरीफ के खिलाफ पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के कई मामले शुरू किए गए थे। न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, कानून मंत्री आज़म नज़ीर तरार ने मंगलवार को कहा कि अगर पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को पाकिस्तान वापस आने के दौरान ट्रांजिट जमानत नहीं मिली तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। पीएमएल-एन के 72 वर्षीय सुप्रीमो मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बड़े भाई हैं। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति मोहसिन अख्तर कयानी ने जमानत की अवधि समाप्त होने के बाद पाकिस्तान लौटने में विफल रहे नवाज शरीफ के खिलाफ 2020 में गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया था।

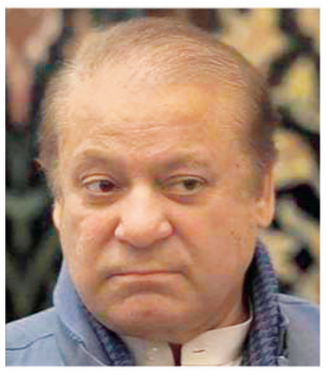

अमेरिकी सांसद इल्हान ने फिर दिखाए भारत विरोधी तेवर, संसद में पेश किया ये प्रस्ताव

वाशिंगटन: अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद इल्हान उमर ने अपने भारत विरोधी तेवर जारी रखते हुए एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें अमेरिका के विदेश मंत्री से धार्मिक स्वतंत्रता के कथित उल्लंघन के लिए भारत को विशेष रूप से चिंता वाला देश घोषित करने की मांग की गई है। सांसद रशीदा तालिब और जुआन वर्गास द्वारा सह-प्रायोजित, प्रस्ताव में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन से अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग की सिफारिशों को लागू करने का आग्रह किया गया है, जिसने लगातार तीन वर्षों तक भारत को विशेष चिंता वाला देश घोषित करने की मांग की।

प्रतिनिधि सभा में मंगलवार को पेश किया गया यह प्रस्ताव आवश्यक कार्रवाई के लिए सदन की विदेश मामलों की समिति के पास भेज दिया गया है। सांसद उमर के प्रतिशोधी रुख को देखते हुए, इस तरह के प्रस्ताव के पारित होने की उम्मीद नहीं है। उन्होंने भारत के मुद्दे पर पाकिस्तानी

अधिकारियों का खुलकर साथ दिया है। भारत से जुड़ी कांग्रेस की कई सुनवाइयों में भी उमर ने लगातार भारत विरोधी रुख दिखाया है। उमर का प्रस्ताव भारत में कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन की निंदा करता है, जिसमें मुसलमानों, ईसाइयों, सिखों, दलितों, आदिवासियों और अन्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक अल्पसंख्यकों को ''लक्षित' करना शामिल है। इसमें भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ ''खराब सलूक' पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। इससे पहले भारत ने धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में उसकी आलोचना को खारिज करते हुए कहा था कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी ''वोट बैंक की राजनीति' की जा रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था कि भारत पर यह रिपोर्ट '' पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है।' इससे पहले, अमेरिकी सांसद इल्हान अब्दुल्ला उमर ने अप्रैल में पाकिस्तान की यात्रा की थी और पूर्व प्रधान मंत्री इमरान खान सहित देश के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की थी। वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) भी गईं थी। इस यात्रा का मकसद अभी तक पता नहीं चल पाया है। भारत ने उमर की पीओके यात्रा की निंदा करते हुए कहा था कि इस क्षेत्र की उनकी यात्रा ने देश की संप्रभुता का उल्लंघन किया है और यह उनकी ''संकीर्ण मानसिकता' वाली राजनीति को दर्शाता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा था, '' अगर कोई अपने देश में ऐसी संकीर्ण मानसिकता वाली राजनीति करता है, तो उससे हमें कोई मतलब नहीं है। किन्तु अगर कोई इस क्रम में हमारी क्षेत्रीय अखंडता एवं संप्रभुता का उल्लंघन होता है, यह हमसे जुड़ा मामला बन जाता है। यह यात्रा निंदनीय है।'

सिंगापुर में क्रेन से दबकर भारतीय श्रमिक की मौत

इस्लामाबाद: सिंगापुर में एक निर्माण स्थल पर क्रेन के दो हिस्सों के बीच दबकर 32 वर्षीय भारतीय श्रमिक की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुर्घटना पूर्वाह्न करीब 10 बजकर 15 मिनट पर '1 मंडाई क्रेरी रोड' पर हुई। श्रम मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार ''ह्वा यांग इंजीनियरिंग कंपनी का भारतीय कर्मचारी मोबाइल क्रेन के चेसिस के नीचे एक टूलबॉक्स से कुछ समान निकाल रहा था, तभी क्रेन मुड़ गई। उसकी छाती क्रेन के दो हिस्सों के बीच दब गई।'

प्रवक्ता ने श्रमिक का नाम नहीं बताया और कहा कि उसे क्हू टेक पुआत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। चैनल की खबर में कहा गया है कि यह इस साल सिंगापुर में कार्यस्थल पर हुई मौत का 27वां मामला है। वर्ष 2021 में कार्यस्थल पर कुल 37 लोगों की मौत हुई थी। अकेले अप्रैल में 10 लोगों की मौत हुई थी। प्रधानमंत्री ली सीन लूंग ने पिछले महीने कहा था कि कार्यस्थल पर होने वाली मौतें 'स्वीकार्य नहीं' हैं। ली ने कहा था कि अर्थव्यवस्था के फिर से खुलने और अधिक काम व सामाजिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने के बीच, 'सुरक्षा मानकों और तरीकों में गिरावट आई है' और दुर्घटनाओं की संख्या बढ़ रही है। श्रम मंत्रालय ने पिछले सप्ताह कहा था कि कार्यस्थल में खराब सुरक्षा व्यवस्था वाली कंपनियों को 14 जून से कठोर दंड का सामना करना पड़ेगा।

ताइवान ने सीमा में घुसे चीन के लड़ाकू विमानों को खदेड़ा

ताइपे। ताइवान की सीमा में फिर से घुसे चीनी युद्धक विमानों को ताइवान ने खदेड़ दिया है।जानकारी के अनुसार चीन के 29 लड़ाकू विमान ताइवान के इलाके में दाखिल हो गए, जिसके बाद ताइवान ने अपने जेट विमानों के जरिए उन्हें खदेड़ दिया है।

पैगंबर पर विवादित टिप्पणी : बांग्लादेश संसद में निंदा प्रस्ताव लाने की मांग

ढाका। बांग्लादेश में इस्लाम के प्रवर्तक हजरत मुहम्मद के संबंध में विवादास्पद टिप्पणी के मद्देनजर नूपुर शर्मा सहित दो भाजपा नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर हर दिन बैठकें और रैलियां हो रही हैं। इसी बीच कुछ संगठनों ने बांग्लादेश की संसद में निंदा प्रस्ताव पारित करने की भी मांग की है। हालांकि कुछ राजनीतिक दल इस तरह की निंदा प्रस्ताव लाने पर सहमत नहीं हैं।

बांग्लादेश में विभिन्न राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं ने इस मुद्दे पर बहुभाषी समाचार एजेंसी "हिन्दुस्थान समाचार" से बात की है। अल-हसानी अल-मैजभंडारी और वर्ल्ड सूफी फोरम के बांग्लादेश चैप्टर के अध्यक्ष प्रिंस सैयद सैफुद्दीन अहमद ने कहा है कि जो लोग दूसरों के धर्म का अपमान करते हैं, वे कभी इंसान नहीं हो सकते। भारत की नुपुर शर्मा हों या कोई और व्यक्ति। हर धर्म में दूसरों के धर्म का सम्मान करने और सहिष्णु होने की बात होती

है। उन्होंने कहा कि पैगंबर की आलोचना से दुनियाभर के सभी मुस्लिम समुदायों के लोगों को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि इस्लाम कभी भी आतंकवाद और हिंसा का समर्थन नहीं करता है।

बांग्लादेश इस्लामिक यूनिटी एलायंस के अध्यक्ष मिस्बाहुर रहमान चौधरी ने कहा कि हजरत मुहम्मद को दुनिया के सभी मुसलमान अंतिम पैगंबर मानते है। पैगंबर का चरित्र अनुकरणीय होता है। उनपर आपत्तिजनक टिप्पणी वह बेहद निंदनीय है। इस्लामिक यूनिटी अलायंस ने आरोपितों को सजा दिलाने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण मानव श्रृंखला कार्यक्रम चलाया है। चौधरी ने कहा कि उन्हें भाजपा से निकाल दिया गया है। इस्लामिक यूनिटी एलायंस ने मांग की है कि बांग्लादेश सरकार पैगंबर के दोनों आलोचकों की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित करे और साथ ही भारत सरकार से दोनों नेताओं पर अनुकरणीय दंड लगाने का आह्वान करे। मिस्बाहुर रहमान ने पश्चिम बंगाल सहित भारत के विभिन्न राज्यों में हिंदुओं के घरों और व्यवसायों पर हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि अगर इस तरह का हमला होता है तो यह बेहद निंदनीय है।

जुमला साबित हुआ प्रधानमंत्री किशिदा का 'नया पूंजीवाद' लाने का वादा

टोक्यो: जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के 'नया पूंजीवाद' के विचार पर अब सवाल उठने लगे हैं। अर्थशास्त्रियों, कारोबारियों और बाजार से जुड़े तबकों की तरफ से अब पूछा जा रहा है कि किशिदा के इस वादे और सरकारी नीति में क्या संबंध है? किशिदा ने पिछले साल संसदीय चुनाव के दौरान देश में नए ढंग का पूंजीवाद लाने का वादा किया था। लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्होंने अब तक इसकी रूपरेखा सामने नहीं रखी है। बीते सात जून को किशिदा ने आर्थिक नीति संबंधी अपने दिशा-निर्देशों की घोषणा की। लेकिन इसमें भी मोटी बातें ही बताई गईं। नीति का बिंदुवार विवरण प्रधानमंत्री ने नहीं दिया। उसके बाद से 'नया पूंजीवाद' की उनकी सोच पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

पिछले साल अक्तूबर में बने थे प्रधानमंत्री

किशिदा पिछले अक्तूबर में प्रधानमंत्री बने थे। बतौर प्रधानमंत्री अपनी पहली प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा था- 'आर्थिक वृद्धि के लाभ कुछ हाथों में केंद्रित हो गए हैं। जबकि विकास के लाभ यथासंभव सभी

लोगों को मिलने चाहिए।' उसी प्रेस कांफ्रेंस में किशिदा से पूछा गया था कि नया पूंजीवाद से उनका क्या मतलब है। इस पर उन्होंने कहा था कि विकास और उसके लाभों के वितरण का एक बेहतर चक्र होना चाहिए।

किशिदा ने समाज में बढ़ी आर्थिक गैर-बराबरी की तब आलोचना की थी। उसके आधार पर समझा गया था कि किशिदा सरकार लाभांश (डिविडेंड) और कंपनियों के मुनाफे पर लगने वाले टैक्स में बढ़ोतरी करेगी। लेकिन प्रधानमंत्री के इन बयानों से जापान के शेयर मार्केट में भारी गिरावट आई। उसे 'किशिदा शॉक' के नाम से जाना गया। उसके बाद से किशिदा ने नया पूंजीवाद की चर्चा नहीं की है।

इस बीच जापानी अर्थव्यवस्था का संकट बढ़ा है। खासकर यूक्रेन युद्ध के बाद से जापानी मुद्रा येन के भाव में लगातार गिरावट आई है। इस वजह से जापान सरकार पर मौजूद कर्ज में भारी बढ़ोतरी हुई है। इस समय जापान सरकार पर मौजूद कर्ज देश के सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में 270 फीसदी हो गया है। इन हालात के बीच प्रधानमंत्री किशिदा जापानी अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने का अपना वादा भूल गए हैं। टोक्यो स्थित पॉलिटिकल कंसल्टैंसी फर्म लैंगली एस्क्वायर के संस्थापक टिमोथी लैंगली ने वेबसाइट निक्कईएशिया.कॉम से कहा- 'खामोशी से आगे बढ़ो- अब हम किशिदा का यही नजरिया देख रहे हैं। नए पूंजीवाद के तहत धन के पुनर्वितरण और गैर बराबरी घटाने की बात कही गई थी। लेकिन सरकार ने इसके लिए जो उपाय घोषित किए, उनमें कोई दम नहीं है।'

किशिदा स्टार्ट अप्स को दें बढ़ावा-अमेरिका में मेसाचुसेट्स स्थित बॉबसन कॉलेज में उद्यम (आंत्रप्रिनियोरशिप) के प्रोफेसर युशिरो यामाकावा ने कहा है- 'अगर किशिदा नया सिस्टम तैयार करने की कोशिश करने के बजाय काम करते हुए सीखने का उद्यमियों जैसा नजरिया दिखाते तो विदेशी निवेशकों को महसूस होता कि जापान बदल गया है। ठोस कदमों से साख बनती है।' कई दूसरे विशेषज्ञ अब सलाह दे रहे हैं कि किशिदा को स्टार्ट अप्स को बढ़ावा देने की नीति अपनानी चाहिए। उनके मुताबिक आज के माहौल में इसी सेक्टर में सबसे ज्यादा संभावना है। स्टार्ट अप्स के विशेषज्ञ जुन हासेगावा ने वेबसाइट निक्कई एशिया से कहा- सिर्फ स्टार्ट अप्स की संख्या बढ़ाने से सफलता की दर नहीं बढ़ेगी। बल्कि इसके लिए ऐसा इकोसिस्टम बनाना होगा, जिसमें स्टार्ट अप्स फूल-फल सकें। विशेषज्ञों की सलाह है कि जापान में बढ़ते आर्थिक संकट के बीच प्रधानमंत्री किशिदा जुमले की भाषा निकल कर ठोस नीतिगत पहल करनी चाहिए।

अफगानिस्तान में फिर भूकंप के झटके

काठमांडू। अफगानिस्तान सहित कई देशों में भयावह जानलेवा भूकंप के बाद बुधवार रात नेपाल व भूटान में धरती कांपी। नेपाल में 4.3 और भूटान में 3.5 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गए।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश 211019 से प्रकाशित।

Title UPHIN 29506

Email:- akhandbharatsandesh1@gmail.com

इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र कौशाम्बी, प्रयागराज होगा।